श्री मुहूर्त

महत्त्वपूर्ण घटनाओं हेतु शुभ तिथि एवं समय का चयन करें

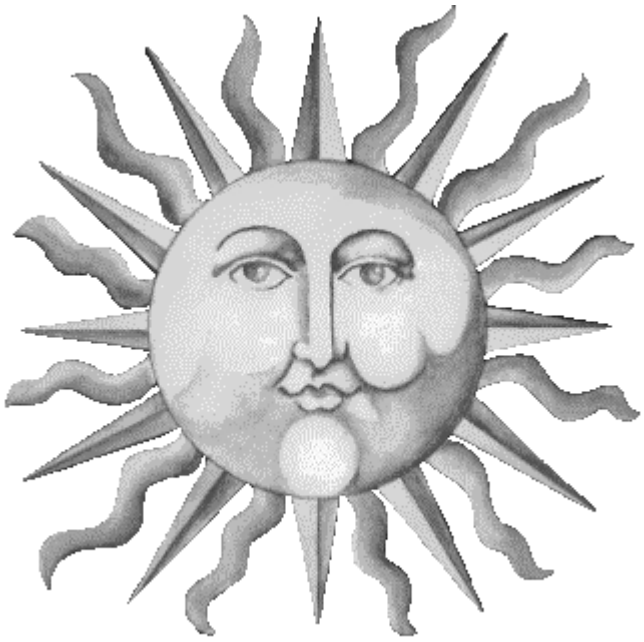

जियोविजन साफ्टवेयर इंकारपोरेशन

पोस्ट बाक्स नंबर २१५२

फेयरफील्ड आइओवा ५२५५६

यू०एस०ए०

फोन - ६४१-४७२-०८५५

फैक्स - ६४१-४६९-६८४७

ई-मेल - sales@parashara.com

वेब - www.parashara.com

श्री मुहूर्त : विषय सूची

प्रथम अध्याय : अभिषिक्त करना ---------- ४

आवश्यक्ताएं ---------- ४

अभिषिक्त करना ---------- ४

द्वितीय अध्याय : परिचय ---------- ६

मुहूर्त क्या है ---------- ६

मुहूर्त निकालने हेतु उपयुक्त गणना ---------- ७

शादी के लिए विशेष तत्व ---------- ७

विशेष यात्रा तथ्य ---------- ८

तृतीय अध्याय : श्री मुहूर्त के आधारभूत उपयोग ---------- ९

फाईल मीनू ---------- ९

औपशन्स मीनू ----------१०

हैल्प मीनू ---------- १२

चतुर्थ अध्याय : मुहूर्त का सृजन ---------- १३

१ जन्म तिथि को जोडना। ---------- १३

२ मुहूर्त की स्थिति ---------- १६

३ मुहूर्त चयन करना ---------- १७

४ तिथि की शुरुआत ---------- १८
५ अंतिम तिथि ---------- १९
६ समय व वार सम्बन्धी प्रतिरोध ---------- १९
७ मुहूर्त तलाश की शुरुआत ---------- २१
८ मुहूर्त की तलाश के बाद ---------- २१
पांचवाँ अध्याय : मुहूर्त में खोजे गए परिणामों की झलक ---------- २२
एडवांस्ड रिजल्ट्स स्क्रीन ---------- २९
ग्राफ्स स्क्रीन ---------- २९
छठा अध्याय : मुहूर्त का प्रिंट आऊट लेना ---------- ३२
अपेन्डिक्स १ : श्रेष्ठ मुहूर्त कैसे चुनें ---------- ३४
अपेन्डिक्स २ : मुहूर्तों की सूची ---------- ३७
कुछ विशेष तौर तरीके ---------- ४७
पारिभाषिक ---------- ४८

प्रथम अध्याय : अभिषिक्त करना (Installation)

आवश्यक्ताएं

केन्द्रीय संगणक इकाई	:	पैन्टियम प्रोसेसर
मैमोरी	:	16 एम बी रैम
हार्ड डिस्क	:	२ जी बी हार्ड डिस्क
सी डी ड्राइव	:	एक ३२ X सी डी ड्राइव
मोनीटर	:	कलर मोनीटर
आपरेटिंग सिस्टम	:	विन्डो ९५ या विन्डो ९८ या विन्डो एन टी

अभिषिक्त करना (Installation)

सी डी ड्राइव में सी डी डालिये।

1 अभिषिक्त प्रोग्राम स्वतः ही शुरु हो जायेगा। यदि ऐसा न हो तो मुहूर्त SMSetUp.exe चलाइये (या तो Run in the Start Menu के द्वारा या Windows Explorer या My Computer के द्वारा)।

2 अभिषिक्त प्रोग्राम शुरु हो जायेगा और Set Up Process में मार्गदर्शन करेगा।

4 यदि सोफ्टवेयर के साथ HaspKey है तो उसे कम्प्यूटर के पीछे लगे प्रिंटर पोर्ट में लगांए। यदि आपके कम्प्यूटर पर प्रिंटर लगा हुआ है तो HaspKey को प्रिंटर केबल व प्रिंटर पोर्ट के बीच लगाएँ। जैसे प्रिंटर पोर्ट < HaspKey < प्रिंटर केबल

5 HaspKey को क्रियान्वित करने के लिए स्टार्ट <प्रोग्राम <ज्योतिष <Install Hasp के द्वारा अभिषिक्त करें या HDD16.exe को CD के द्वारा अभिषिक्त कीजिए।

6 कम्प्यूटर को दोबारा शुरु कीजिए।

7 स्टार्ट <प्रोग्राम <ज्योतिष < श्री मुहूर्त को क्लिक कर कर आप साफ्टवेयर को शुरु कर सकते हैं।

8 एक विन्डो आपके स्क्रीन पर दिखेगी। आपसे आपका नाम एवं पासवर्ड माँगा जाएगा। यदि आपके सी डी कवर पर यह जानकारी नहीं दी गई हो तो कृपया अपने वितरक से यह जानकारी हासिल करें। पासवर्ड डालने के पश्चात स्वीकृत बटन पर क्लिक करें।

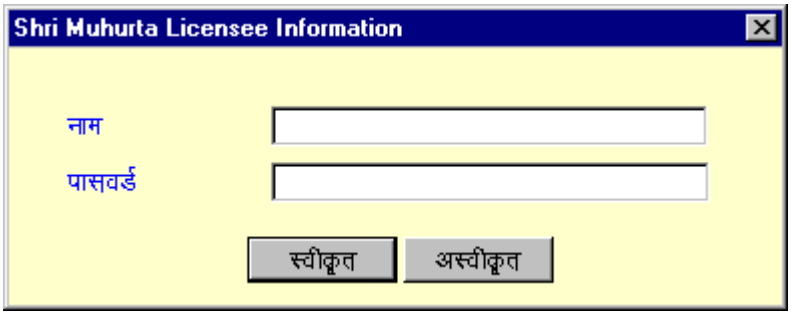

द्वितीय अध्याय : परिचय

मुहूर्त क्या है

दृढ़ वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार ब्रह्माण्ड में समय व अनंत आकाश के अतिरिक्त समस्त वस्तुएं मर्यादा युक्त हैं। समय का न ही कोई प्रारंभ है न ही कोई अंत है। अन्य शब्दों में, हम ऐसा कोई भी विशेष क्षण चिन्हित कर यह नहीं कह सकते कि, समय अब अस्तित्व में आया या समय यहाँ से आरंभ होता है। इसी तरह हम यह भी नहीं कह सकते हैं कि, इस क्षण्ण के बाद समय का अस्तित्व समाप्त होता है या समय यहाँ रुक जाता है। अनंत आकाश की भी समय की तरह कोई मर्यादा नहीं है। इसका कहीं भी प्रारंभ या अंत नहीं होता। आधुनिक मानव ने इन दोनों तत्वों को हमेशा समझने का व अपने अनुसार इनमें भ्रमण्ण करने का प्रयास किया है, परन्तु उसे सफलता प्राप्त नहीं हुई है।

ये दोनों तत्व, असंख्य रुपों में अपना महातम्य मनुष्य पर जमाते हैं। वे मानव जीवन को बहुत ही अभिप्राय पूर्ण तरीके से प्रभावित करते हैं। प्राचीन संतों को इसका भली भांति बोध था। उन्होंने अपने मानसिक व आत्मीय सामर्थ्य, चित्त की एकाग्रता व केन्द्रित ध्यान से, पूर्ण्ण चैतन्य व अर्द्ध चैतन्य शक्ति व बल से एवं ईश्वरीय आनंद द्वारा इन तत्वों को समझा जो कि आधुनिक तकनीक से कोसों दूर हैं। उन्होंने देखा व जाना कैसे समय व अनंत नभ हमें प्रभावित करते हैं, कैसे नक्षत्र व ग्रहों का मेल हमारे जीवन को महत्त्वपूर्ण दिशा व परिवर्तन देता है।

उन्होंने सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह समझी कि मनुष्य आकाशीय पिंडों के सहयोग से कितने आश्चर्यजनक रुप से अपने जीवन क्रम को, एवं अपने भविष्य को, एक भव्य व सफल मोड़ दे सकता है। मुहूर्त वह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अवधारणा है जो उन्होंने खोजी।

मुहूर्त का अर्थ है किसी भी कार्य को करने के लिए सबसे शुभ समय व तिथि चयनित करना। कार्य पूर्णतः फलदायक हो इसके लिए समस्त ग्रहों व अन्य ज्योतिष तत्वों का तेज इस प्रकार केन्द्रित किया जाता है कि वे दुष्प्रभावों को विफल कर देते हैं। वे मनुष्य की जन्म कुण्डली की समस्त बाधाओं को हटाने में व दुर्योगों को दबाने में सहायक होते हैं।
मुहूर्त मानवी तेज, नक्षत्र एवं कार्य का ऐसा अनूठा संगम है कि वह कार्य करने वाले मनुष्य को पूर्णतः सफलता की ओर उन्मुख कर देता है।
इसलिए आप जब भी अपने जीवन का ऐसा महत्वपूर्ण कार्य करने जा रहे हों, जिसमें कि आपकी काफी समय व शक्ति प्रयोग में आएगी अथवा इस कार्य का आपके जीवन पर काफी समय तक

प्रभाव रहेगा तब यह कार्य शुभ मुहूर्त में ही किया जाना चाहिए। तभी यह कार्य फलदायक होगा व आप बेहतर, सुखमयी व संतुष्ट जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

ज्योतिष विद्या में कार्य का प्रारंभ समय, कुण्ण्डली व उसकी व्याख्या की गणना करने में प्रयुक्त होता है। अतः प्रारंभ समय अति महत्वपूर्ण होता है। मनुष्य का भविष्य व जीवन की घटनाएँ इस बात पर निर्भर करती हैं कि उसका जन्म किस समय हुआ था। पर विडम्बना तो यह है कि मनुष्य का स्वयं के जन्म समय पर कोई नियंत्रण नहीं है। परन्तु जीवन यात्रा के अन्य क्रिया-कलापों पर उसका पूर्ण नियंत्रण है। वह कार्य करने का समय स्वयं सुनिश्चित कर सकता है। यही मुहूर्त की परिभाषा है। यदि कार्य प्रारंभ का समय शुभ है तो कार्यफल निश्चित रुप से फलदायक एवं इच्छित होगा।

स्मरण रहे : शुभ प्रारंभ यानि आधा कार्य स्वतः पूर्ण।

मुहूर्त निकालने हेतु उपयुक्त गणना

श्री मुहूर्त काफी सारे तथ्यों पर विचार करने के पश्चात ही मुहूर्त निकालता है।

- माह
- तिथि
- वार
- नक्षत्र
- योग
- करण
- ताराबल
- चन्द्रबल
- लग्न
- तिथि दिन-नक्षत्र के संयुक्त योग जैसे सर्वार्थ सिद्धि होगा।
- लग्न कितना बलशाली व शुभ है।
- लग्नाधिपति कितना बलशाली व शुभ है।
- महत्वपूर्ण (Significant) भाव कितने बलशाली व शुभ हैं।
- महत्वपूर्ण भावाधिपति कितने बलशाली व शुभ हैं।
- महत्वपूर्ण ग्रह कितने बलशाली व शुभ हैं।
- २ महा दोष।
- महादोषों का निराकरण।
- विशेष महादोष निराकरण योग।
- विशेष ग्रह स्थितियाँ व संयोग जो कि शादी यात्रा जैसे महत्वपूर्ण मुहूर्त के लिए शुभ व अशुभ कहलाते हों।

शादी के लिए विशेष तत्व

- लट्ट दोष

- पट्ट दोष
- युति
- वेध
- जैमित्र
- पंच श्लाक
- एकार्गल
- उपग्रह
- क्रांति साम्य
- दग्ध तिथि

विशेष यात्रा तथ्य

किसी विशेष दिशा में यात्रा हेतु मुहूर्त के लिए विभिन्न खगोल विधा के सिद्धांत हैं।

- तारा
- चन्द्राबद
- वार शूल
- चन्द्र निवास
- योगिनी निवास
- साम शुक्र

उपरोक्त के उपरांत ये ज्योतिषियों के निजी विश्वास पर निर्भर करता है कि वे एक विशेष मुहूर्त को शुभ या अशुभ कहते हैं। यद्यपि श्री मुहूर्त समस्त तथ्यों पर विचार कर श्रेष्ठ समय व तिथि निकालता है पर ये कभी सिद्ध नहीं कर सकता कि ज्योतिषियों का ज्ञान इससे श्रेष्ठ है या नहीं।

एक विशेष बात और है कि श्री मुहूर्त किसी भी कार्य का महत्व उसकी संपूर्णता में आंकता है। व्यक्ति विशेष इसे अन्य नजरिये से देख सकता है।

उदाहरणतः शादी के लिए निकले जाने वाले मुहूर्त में सामान्यतः प्रथम भावाधिपति तृतीय भाव में हो सकता है। यह एक अनुपयुक्त स्थिति नहीं मानी जाता है पर यदि विवाह धनार्जन के उद्देश्य से किया जाता है तो प्रथम भावाधिपति को द्वितीय या ग्यारहवें भाव में होना ज्यादा उपयुक्त माना जाता है।

श्री मुहूर्त प्रोग्राम आपको विभिन्न मुहूर्तों का मिलान कर स्वयं सही मुहूर्त चयन करने की सुविधा देता है। इस तरह आप अपने भाग्य के स्वयं निर्णायक हैं।

तृतीय अध्याय : श्री मुहूर्त के आधारभूत उपयोग

अब आपके कम्प्यूटर पर श्री मुहूर्त अभिषिक्त है। हम आपका परिचय इसके सभी आधारभूत उपयोगों से करा देते हैं।

फाईल मीनू (File Menu)

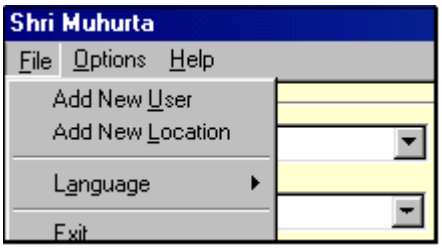

क) एड न्यू यूजर (Add New User)

किसी नए व्यक्ति की जानकारी प्रोग्राम को देने हेतु मीनू में जाकर (Add < New User) का चयन करें। जन्म संबंधी जानकारी वाली खाली स्क्रीन आपके समक्ष दिखेगा। अगले अध्याय में इस विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई है।

ख) एड न्यू लोकेशन (Add New Location)

मुहूर्त के लिए नये स्थान की जानकारी यहाँ पर जोडी जा सकती है। इस विषय में भी अगला अध्याय विस्तृत जानकारी देगा।

ग) भाषा (Language)

यह विकल्प आपको अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करने देता है।

घ) एक्जिट (Exit)

यह विकल्प प्रोग्राम से बाहर आने की सुविधा देता है।

श्री मुहूर्त में मन माफिक सेटिंग करना

कुछ विशेष सेटिंग आपके चार्ट की गणना व प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। ये निम्न प्रकार के हैं

ऑपशन्स मीनू (Options Menu)

क) डिस्पले ऑपशन (Display Option)

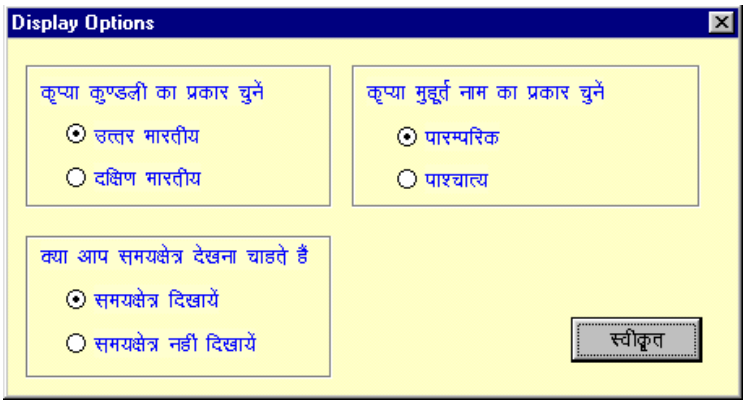

ऑपशन्स मीनू के **डिस्पले ऑपशन** में आप उत्तर भारतीय व दक्षिण भारतीय चार्ट पद्धति पार-म्परिक मुहूर्त नाम सूची व समय जोन के प्रदर्शन का चयन कर सकते हैं।

ईंटाकार आकार की उत्तर भारतीय चार्ट में भावों के निर्धारित स्थान होते हैं। राशियाँ प्रत्येक भाव में नम्बर द्वारा दर्शायी जाती हैं। प्रथम भाव या लग्न - चार्ट के ऊपरी हिस्से के मध्य में रहता है। वहाँ से अन्य भाव घडी की उल्टी दिशा में क्रमवार होते हैं।

उत्तर भारतीय चार्ट

दक्षिण भारतीय चाट

दक्षिण भारतीय चार्ट चौकोर स्थानों के आकार में होते हैं। इस चार्ट में राशियों का स्थान

निर्धारित होता है। ऊपर की पंक्ति में बाएं से द्वितीय चौकोर मेष राशि का भाव होता है व उस से दाएं दिशा वाला वृष राशि का भाव होता है।अन्य राशियाँ क्रम से घडी की दिशा में होती हैं।लग्न या तो तिरछी रेखा या "As" द्वारा दर्शाया जाता है। लग्न जिस भाव में होता है वहाँ से घडी की दिशा में समस्त भाव क्रमवार होते हैं। सामान्यतः दक्षिण भारतीय शैली की चार्ट में कोई राशि या भाव संख्या प्रदर्शित नहीं होती है।

ख) फौन्ट्स ऑपशन (Fonts Option)

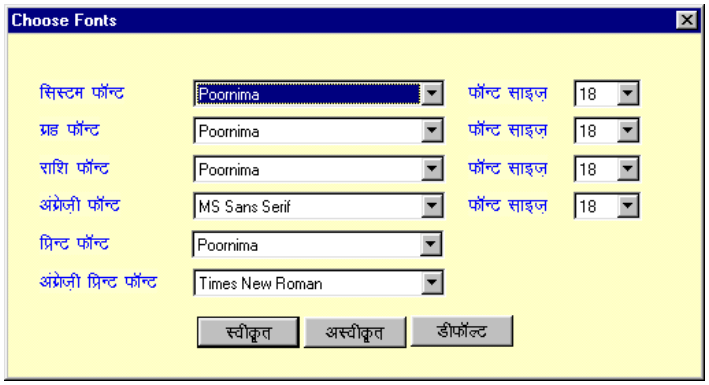

आप स्क्रीन पर ग्रहों के व प्रिंटिंग में अपनी पसंद का फौन्ट व उसकी साइज का चयन कर सकते हैं।

ग) कैल्क्यूलेशन ऑपशन (Calculation Option)

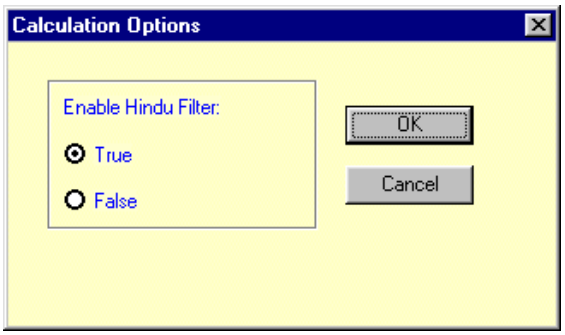

ऑपशन मीनू में कैल्क्यूलेशन ऑपशन आपको चयन करने की सुविधा देता है कि मुहूर्त निकालने में पारम्परिक हिंदू तथ्यों का ख्याल रखा जाना चाहिये अन्यथा नहीं। पारम्परिक हिंदू तथ्य निम्न हैं -

- अधिक मास
- क्षय मास
- अधिक तिथि

- क्षय तिथि
- श्राद्ध पक्ष
- होलाष्टक
- मल मास
- देव शयन
- अशुभ तिथियाँ
- लग्न स्वभाव (चर स्थिर व द्विस्वभावी लग्न)
- नवांश स्वभाव (चर स्थिर व द्विस्वभावी नवांश)
- जन्म राशि से सूर्य व चंद्र की अशुभ दूरी
- गुरु व शुक्र का दग्ध होना (अष्ट ग्रह)
- दग्ध नक्षत्र
- शून्य तिथियाँ
- शून्य नक्षत्र
- शून्य लग्न
- दग्ध लग्न
- शून्य राशि
- अशुभ तिथि नक्षत्र व वार योग
- अशुभ तिथियाँ
- पंचक समय
- भाद्र समय (स्वर्ग पाताल व मृत्युलोक भाद्र)
- राहू काल
- अबूझ विवाह मुहूर्त

हैल्प मीनू (Help Menu)

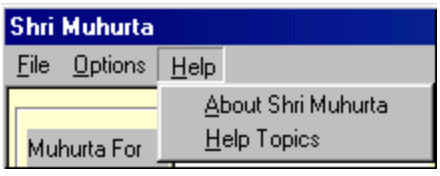

क) श्री मुहूर्त के बारे में (**About ShriMuhurta**)
यहाँ आपको श्री मुहूर्त के प्रयुक्त वर्जन व निर्माता संबंधी जानकारी प्राप्त होगी।
ख) हेल्प औपशन (**Help Option**) आपको सहायता पुस्तिका तक ले जाता है।

चतुर्थ अध्याय : मुहूर्त का सृजन

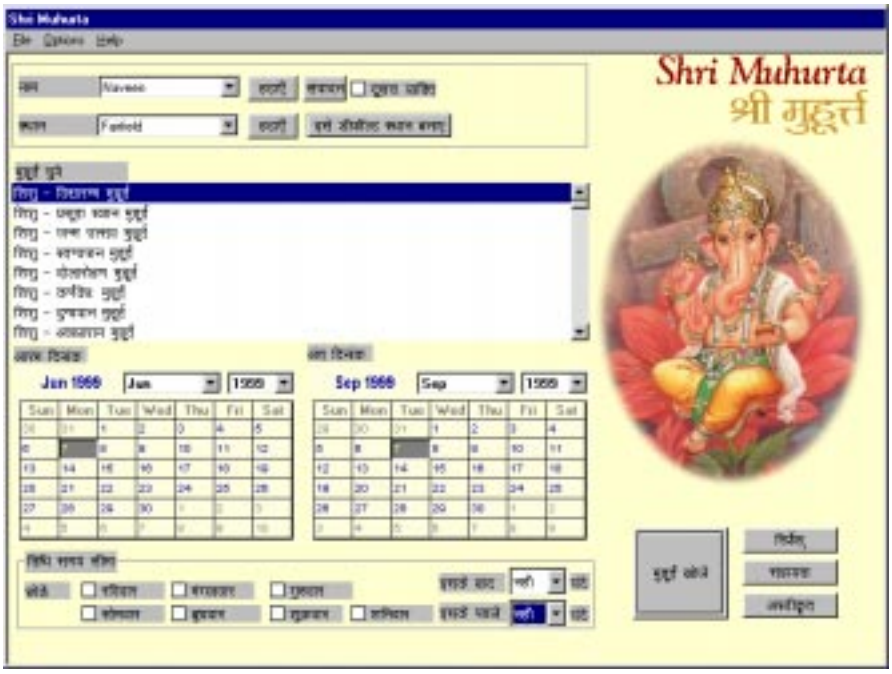

किसी मुहूर्त के चयन के हेतु कुछ आधारभूत आवश्यकताएँ होती हैं। किसी भी मुहूर्त को चुनने के लिए एक खास सीमा सप्ताह माह तथा साल इत्सादि होते हैं। मुहूर्त की प्रक्रिया से पूर्व ही इन सभी को निश्चित करना होता है। इन सभी का चुनाव स्क्रीन पर मुहूर्त का सृजन करने से प हले करना होता है।

उदाहरणतः हम राधेश्याम नामक व्यक्ति जिसका जन्म ४ जून १९७४ को हुआ है - के गाडी ध वाहन खरीदने के मुहूर्त को खोजना चाहते हैं। एक गाडी क्रय करने हेतु मुहूर्त जोकि १ जुलाई १९९९ से एक सितम्बर १९९९ के बीच में हो।

१ जन्म तिथि को जोडना।

जिस व्यक्ति का मुहूर्त जानना चाहते हैं उसकी सूचना जोडने के लिए **File < Add New User** का चयन करना होगा।

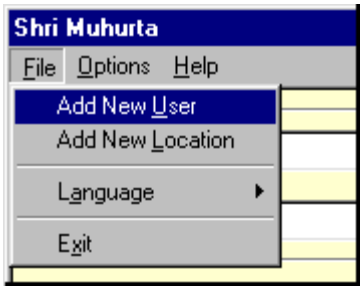

फिर आपको स्क्रीन पर ऐसी विन्डो दिखेगी ।

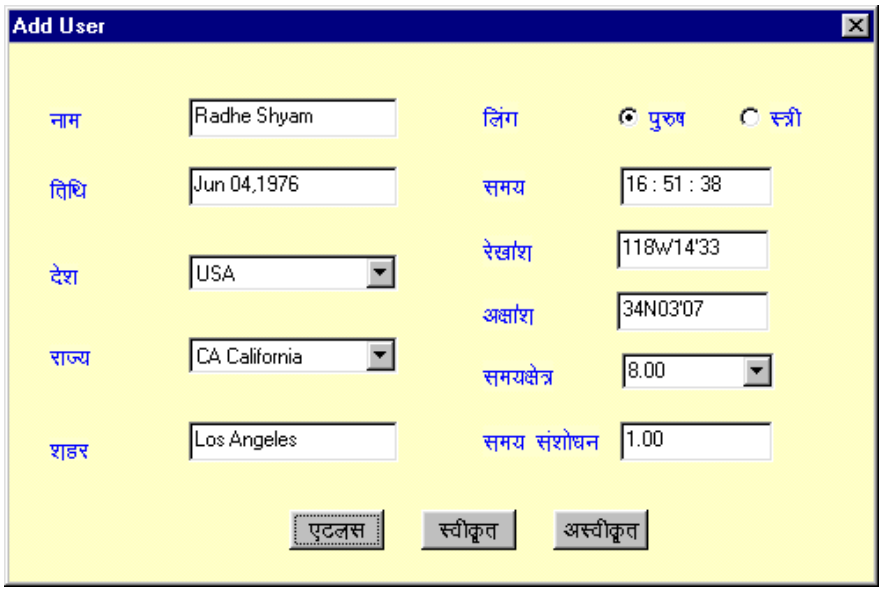

नाम : अब प्रोग्राम 'नाम' लेने के लिए तैयार है ।

लिंग : नाम के पश्चात आपको पुल्लिंग या स्त्रीलिंग में से एक का चयन करना पडेगा ।

तिथि : तिथि को डैश या तिरछी रेखा द्वारा विभाजित किया जा सकता है । स्मरण रहे कि क्रम माह/दिवस/वर्ष ही होवे ।

समय : समय को : द्वारा विभाजित किया जा सकता है । समय घंटे मिनट सैकण्ड में होने चाहिए ।
देश : यह एक "पुल डाऊन" सूची में चयन करते हैं ।

राज्य : यह भी "पुल डाऊन" सूची से चयनित होते हैं । यह सूचना उन्हीं देशों के लिये लागू है जहाँ

राज्य जानकारी उपलब्ध है ।

शहर : यहाँ आपको शहर का नाम देना है ।

<u>एटलस लुक अप</u>

जन्म संबंधी मूलभूत जानकारी के पश्चात आपको अक्षांश, रेखांश, समय क्षेत्र व समय संशोधन पर आना होगा । यह समस्त जानकारी प्रोग्राम स्वतः अपनी "एटलस लुक अप" से प्राप्त कर लेगा ।
यदि आप द्वारा दिया गया शहर व राज्य के नाम में अस्पष्टता है तो प्रोग्राम स्वयं कोशिश करेगा । तीन चीजें हो सकती हैं –

क आपसे सही राज्य देने का आग्रह किया जाएगा ।

ख आप द्वारा लिखे गये शहर के अक्षर यथा स्थान नहीं हैं । ऐसी स्थिति में एक "Similar Cities" यानि मिलते जुलते शहरों की सूची आपको दिखाई जाएगी । आप उसमें से सही श हर का चयन कर सकते हैं ।

ग यदि तीन चार शहरों का मिलता जुलता नाम है – ऐसी स्थिति में आपको सही शहर चुनना पडेगा ।

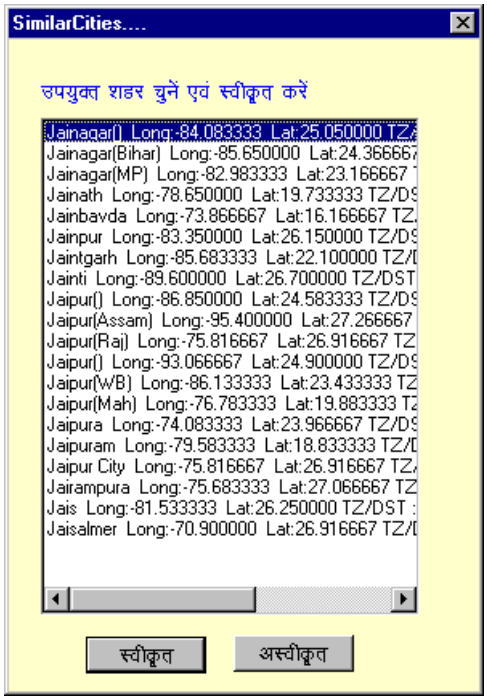

इसके पश्चात आपसे पूछा जाएगा कि क्या आप उस व्यक्ति के जन्म के आँकडे को स्थिर रूप से एक फाईल मे सम्भाल कर रखना चाहते हैं। यह उसे सुरक्षित रखने का एक अच्छा विचार है जब तक कि आपको विश्वास नहीं हो जाता कि आप इसका प्रयोग भविष्य में नहीं करेंगे। जब आप किसी व्यक्ति के जन्म के आंकडो को सुरक्षित कर लेंगे तो वह सूची (Ur charts folder) में स्वतः ही उपस्थित होंगे।

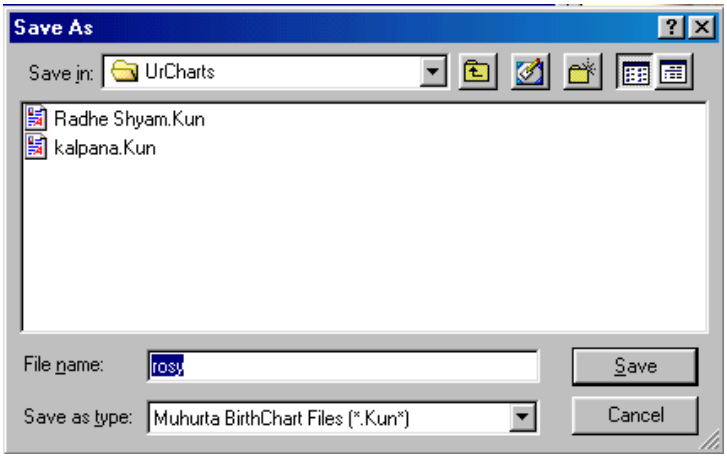

अगली बार जब आप उस व्यक्ति के लिए मुहूर्त निकालना चाहेंगे जिसके लिए आप पहले से ही एक मुहूर्त का चयन कर चुके हैं तथा उसके आंकडो को संरक्षित कर चुके हैं तो आप उस व्यक्ति का चयन सूची से कर सकते हैं। आपको उसकी जन्म तिथि के आंकडो को दुबारा नहीं डालना होगा।

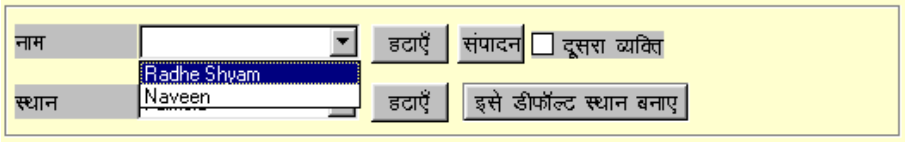

२ मुहूर्त की स्थिति

यह वह स्थान है जहाँ पर मुहूर्त के द्वारा की गई क्रिया प्रस्तुत की जाती है। प्रत्येक मुहूर्त के लिए तिथि व समय अलग-अलग होते हैं। उदाहरण अगर आप एक भूमि का टुकडा हवाई में खरीदना चाहते हैं तब आपको हवाई की स्थिति का चयन करना होगा या अगर आप लास एंजिल्स में विवाह करना चाहते हैं तब आपको लास एंजिल्स की स्थिति को सुनिश्चित करना होगा।

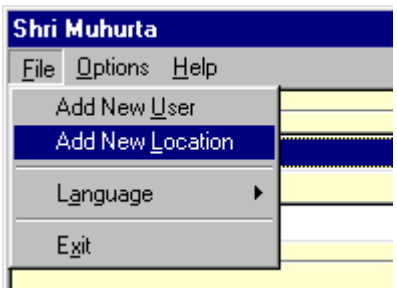

फिर आपको स्क्रीन पर निम्न विन्डो दिखेगी ।

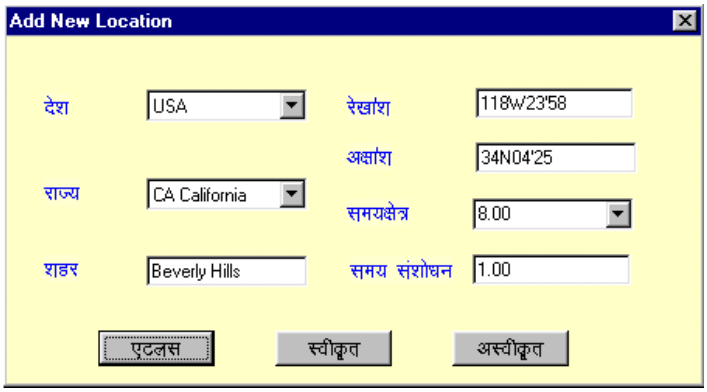

आप उस स्थान को भविष्य के लिए विन्डोज के प्रयोग के द्वारा सुरक्षित रख सकते हैं । जो कि आपके समक्ष प्रस्तुत होगा जैसे ही आप ओ के (OK) कर बटन दबाएंगे । आपको उसे हमेशा के लिए सुरक्षित रखने के लिए सेव (Save) का बटन दबाना होगा । अगर अगली बार आप उस मुहूर्त की स्थिति को खोजना चाहते हैं तो आपको सिर्फ उसका चयन सूची में से करना होगा ।

३ मुहूर्त चयन करना

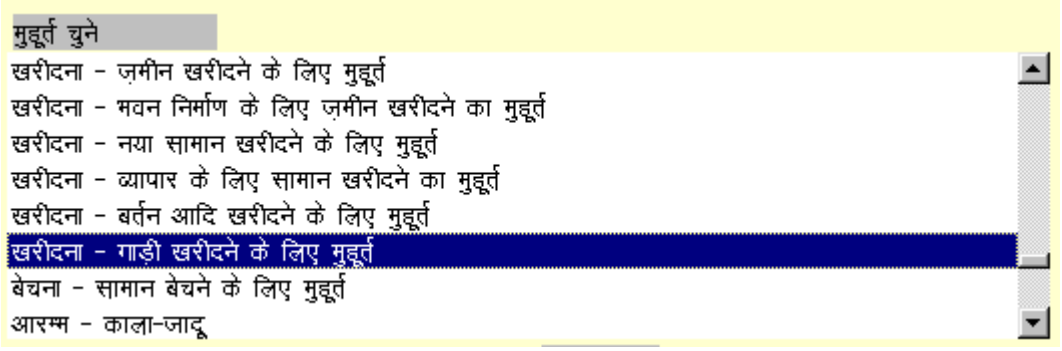

आप सूची में से उस मुहूर्त के नाम को चुन सकते हैं जिसका मुहूर्त आप चाहते हैं। किसी भी मुहूर्त को चुनने के लिए आपको उसे एक बार चयन करना होगा। आप जो मुहूर्त चुनना चाहते हैं यदि वह प्रत्यक्ष सूची के उस हिस्से में नहीं है तो आप उस सूची को ऊपर व नीचे (स्क्रोल) कर सकते हैं। उदाहरणतः यदि आपको शादी के लिए मुहूर्त चाहिए तो फिर स्क्रोल बार जो कि सूची की दाँयी ओर है-का इस्तेमाल कीजिए।

वे अलग-अलग श्रेणियाँ जिसमें मुहुर्तों को संगठित किया गया है वे नीचे क्रमानुसार दी गई हैं :

मुहूर्त सूची

- शिशु
- व्यापार
- निर्माण
- लेन-देन
- शिक्षा
- कृषि
- गृह प्रवेश
- विवाद
- औषधि
- विभिन्न
- अधिकार
- गर्भ धारण
- खरीदना
- बेचना
- आरंभ
- उपयोग
- पहनना
- यात्रा

४ तिथि की शुरुआत

यही वह तिथि है जिसके पश्चात आप मुहूर्त देखना चाहते हैं। यह अंतिम तिथि के साथ मिल कर मुहूर्त के उस कालांश को व्यक्त करती है जिसमें मुहूर्त की आवश्यकता है। उदाहरणतः अगर आप एक मुहूर्त १ जुलाई १९९९ से १ सितम्बर १९९९ तक चाहते हैं तो आपको १ जुलाई १९९९ की प्रारम्भिक तिथि का चयन करना होगा।

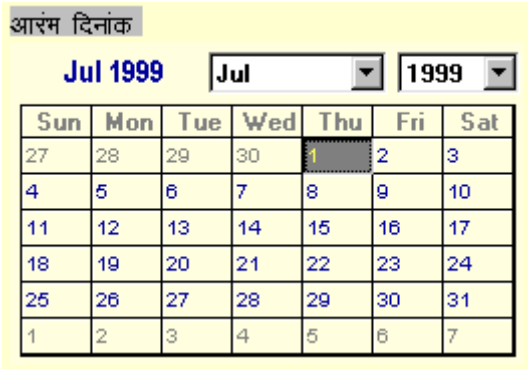

५ अंतिम तिथि

यह वह तिथि है जिस अंतराल तक हमें मुहूर्त की आवश्यकता है। यह शुरु की तारीख के साथ मिल कर मुहूर्त के उस कालांश को व्यक्त करती है जिसमें मुहूर्त की आवश्यकता है। उदाहरणतः अगर आप एक मुहूर्त १ जुलाई १९९९ से १ सितम्बर १९९९ तक चाहते हैं तो आपको १ सितम्बर १९९९ को अंतिम तिथि चयन करना होगा।

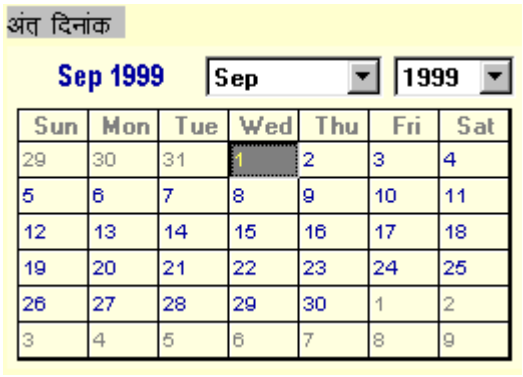

६ समय व वार सम्बन्धी प्रतिरोध

यदि आप मुहूर्त ढूँढते समय किसी विशेष हफ्ते के दिन या विशेष घण्टों को निष्कासित करना चाहते हैं तो आप ऐसा कर सकते हैं। सामान्यतः सबसे अच्छे मुहूर्त के चयन हेतु सभी तिथियाँ व समय जो कि उन तिथियों के बीच है - के शुभ लाभ हेतु उन्हें जाँचना (संशोधित) करना होगा। यदि आपको पूर्ण विश्वास है कि किसी कार्य को किसी विशेष साप्ताहिक दिन को न हीं करना चाहते तो आप उसे सीमाबद्ध कर सकते हैं। उदाहरणतः हम मान लेते हैं कि

शनिवार व इतवार को हम कार नहीं खरीद सकते इसलिए हमें प्रातः ११ बजे से ६ बजे के बीच का समय हफ्ते के अन्य दिनों में चयन करना होगा ।

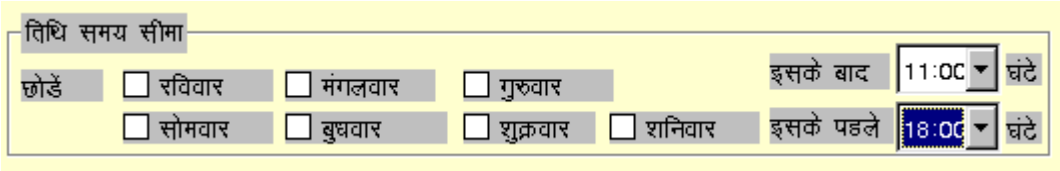

प्रतिरोध दो प्रकार के होते हैं :

१ वार प्रतिरोध - निष्कासित दिन

२ समय प्रतिरोध - न तो पहले / न तो बाद में

निष्कासित दिन : यदि मुहूर्त को चुनते समय किसी खास दिन की अवहेलना करनी हो तो ऐसा प्रदर्शित स्क्वैर चैक बौक्स (Square check box) का बटन दबा कर किया जा सकता है जो कि साप्ताहिक दिन के सिलेक्शन सक्रीन (SelectionScreen) पर है । उपर्युक्त उदाहरण में हम शनिवार व इतवार के चेक बक्सि को चैक करेंगे ।

इसके बाद इसके पहले

यदि मुहूर्त का कार्य कुछ घण्टों पश्चात किया जाना है तो फिर उसे तीरनुमा बटन जो कि दायीं ओर है को दबाकर किया जा सकता है । उदाहरणतः कोई भी कार्य जो कि ११:०० बजे के बाद करना है तो हमें **इसके बाद** के बाद का बटन दबाना होगा है । एक सूची जो कि ० से २ ३:०० घण्टों तक की श्रेणी को प्रदर्शित करती है प्रस्तुत होगी तब हम ११:०० को दबाना होगा तब ११:०० से पहले तक की सभी समय श्रेणियाँ निष्कासित होंगी । अगर किसी कार्य को कुछ निश्चित घण्टों के पहले करना है उदाहरणतः १८:०० (6p.m.) बजे तब ऐसे में **इसके पहले** से अगली सूची द्वारा करना होगा । सामान्यतः अगर आप उचित मुहूर्त चाहते हैं तो आपके लिए बेहतर होगा कि प्रतिरोध न अपनाएं इसलिए जब आपको पूर्ण विश्वास हो कि आपको शुक्रवार को उडान भरनी है या आप प्रातः दो बजे कार्यालय में प्रार्थना पत्र दर्ज करने में समर्थ नहीं है तब आपके लिए बेहतर होगा कि आप उन घण्टों को निष्कासित कर दें । यह आपके मुहूर्त को शीघ्रता से ढूँढने में मदद करेगा ।

७ मुहूर्त तलाश की शुरुआत

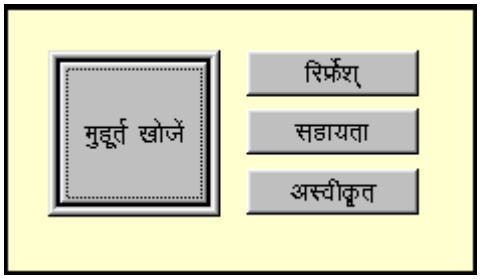

जब आप सब चयन कर चुके तब अच्छे मुहूर्त की चयन प्रक्रिया को शुरु करने के लिए **मुहूर्त खोजें** बटन को दबाये ।
इस स्क्रीन पर तीन अन्य बटन हैं जिसका वर्णन अभी तक नहीं किया गया है ।

रिफ्रेश - यह बटन दबाने से सभी व्यवस्थाएं दुबारा से पूर्व अवस्था मे हो जाती हैं । उदाहरणतः प्रचलित तारीख से एक माह के अन्तराल में यदि आपने शुरुआत की तिथि का चयन किया है और तब आप इस बटन को दबा देते हैं तो शुरुआत की तारीख पूर्ववत हो जाऐगी ।

सहायता = यह आपको सहायता पुस्तिका तक पहुंचायेगा ।

अस्वीकृत = यह आपके प्रोग्राम को बंद कर देगा ।

८ मुहूर्त की तलाश के बाद

अब आप एक विन्डो देखेंगे जो कि समय एवं तिथियों को दर्शाता है । उसके पश्चात सबसे शुभ तारीख क्रियान्वित की जाएगी जिसके द्वारा आप एक एक मिनट के आधार पर शुभ लग्न की गणना कर सकेंगे । इस वक्त तक आप कितना प्रतिशत कार्य कर चुके हैं - इसकी गणना और कितना समय लगेगा यह जाना जा सकता है । जब यह प्रक्रिया पूर्ण होगी आप उस मुहूर्त को देख सकेंगे जिसका साफ्टवेयर ने आपके लिए चयन किया है । यदि प्रोग्राम को कोई अच्छा मुहूर्त नहीं मिलता है तो वह आपसे समय सीमा बढाने को या निषेध हटाने को कहेगा ।

पांचवाँ अध्याय : मुहूर्त में खोजे गए परिणामों की झलक

गणक शुभ लाभ हेतु शुरुआत व अंत की तिथि के बीच की तिथियों व समय के हिसाब की गणना करता है ।यह पंचांग के सभी तत्वों की जाँच करता है । मुहूर्त का चयन अनेक तत्वों को ध्यान में लेते हुए किया गया है - जैसे कि तिथि, कर्ण, दोष एवं उसके निवारण के उपाय, ग्रहों का अष्टकवर्ग , तिथि,नक्षत्र,तथा हफ्ते के दिनों के आधार पर संयुक्त योग तथा मुहूर्त के चार्ट के आधार पर ग्रहों की स्थिति तथा उनका सम्बन्ध । अन्ततः उन तिथियों व दिनों की गणना के बाद लाभप्रद उचित तारीख का चयन इस आधार पर होता है ।

प्रोग्राम के द्वारा सबसे उचित तिथि और उचित समय का चयन - समय सूची के आधार पर जाँच लिया जाता है । पंचांग की तारीख तथा शुभ व अशुभ का सम्बन्ध नीचे की ओर एवं उसका मुहूर्त चार्ट तथा मुहूर्त नवांश को दाँयी ओर व्यक्त किया जा रहा है ।

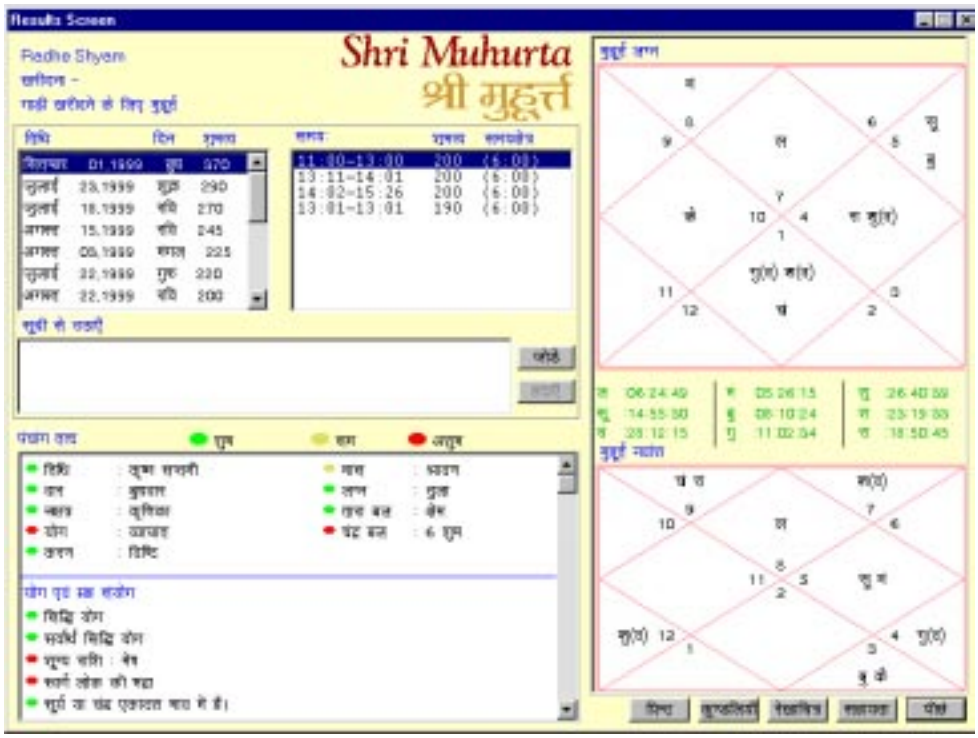

तिथि सूची

यह मुहुर्तों की सूची है अर्थात यह वह सबसे उचित तारीखों की सूची है जिसमें इच्छित कार्य को किया जाना चाहिए । यह सूची मुहूर्त की उचित तारीखों एवं उनके शुभत्व को प्रदर्शित करती है ।
शुभत्व किसी भी दिन के कुछ समय का अत्यधिक लाभ होता है । प्रायः दिन के सभी क्षण सम्पूर्ण लाभ देने वाले नहीं होते हैं । कुछ समय अन्य की अपेक्षाकृत ज्यादा लाभदायक होते हैं । कम लाभ का अर्थ है सबसे न्यून लाभ जो कि दिन के दौरान निश्चित समय पर था । प्रायः हम उससे सम्बन्ध नहीं रखते हैं । यह सूची अत्यधिक लाभ का चयन करती है । सर्वोच्च तिथि सबसे अधिक लाभदायक है और जैसे जैसे आप सूची में नीचे जाते हैं लाभ कम होता जाता है । उदाहरणतः १ सितम्बर सर्वोच्च तारीख है इसलिये वह सबसे अधिक फलकारी मुहूर्त है । उदाहरणतः राधेश्याम को कार खरीदने १ सितम्बर १९९९ को जाना चाहिए । उसका शुभत्व ३७० बिन्दु है ।

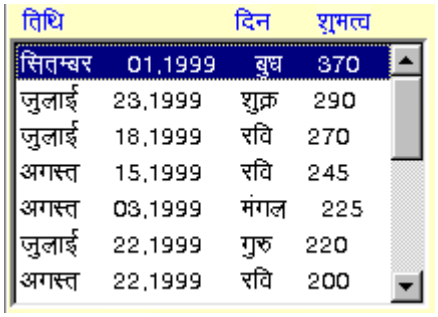

समय सूची -

यह समय निश्चित तिथि / समय श्रेणी के आधार पर है । (शुरुआत व अन्त का समय) जैसे ११:०० से १३:०० या १३:११ से १४:०१ तक अर्थात इस श्रेणी के अन्तर्गत लाभ समान रहेगा । यहाँ तक कि एक समय श्रेणी में ग्रहों की परिस्थितियाँ एवं पंचांग की तिथि समान होगी । मुहूर्त किसी समय का निश्चित बिन्दु नहीं है परन्तु वह समय की वह अवधि है जिस बीच हमें कार्य करना होता है । समय श्रेणी के दाँयी ओर लाभ का स्तर (शुभत्व) व्यक्त किया गया है ।

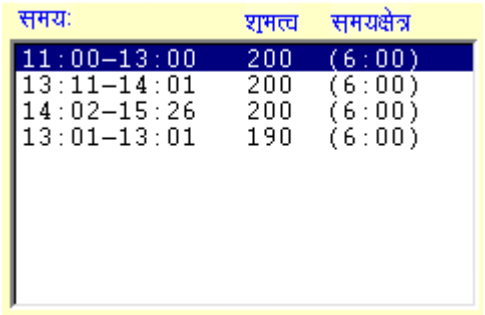

इस सूची में हम देखते हैं कि प्रथम मुहूर्त ११:०० से १३:०० तक का है इसका लाभ २०० बिन्दु है। इसके बाद द्वितीय श्रेणी १३:११ से १४:०१ तक का है। इसका लाभ भी २०० बिन्दु है। यद्यपि इन दोनों श्रेणियों के २०० बिन्दु हैं उन्हें अलग-अलग संगठित किया गया है क्योंकि कुछ ज्योतिष प्रक्रिया जो कि इन दोनों के बीच की है , भिन्न होती है। सामान्यतः आप अपने कार्य को इनमें से किसी भी समय श्रेणी के अनुसार लाभ को जाँचने के बाद कर सकते हैं। यहाँ हम देखते हैं कि प्रथम सीमा १२० मिनटों की है और दूसरी सिर्फ ५० मिनट है। इसलिए एक कार को खरीदने के लिए राधेश्याम सामान्यतः प्रथम सीमा श्रेणी को प्राथमिकता देगा क्योंकि दोनों २०० अंक लिये हुए है। अगर आप द्वितीय समय श्रेणी के नक्षत्रों की विस्तृत जानकारी लेना चाहते हैं (उदाहरणतः१३:११ से १४:०० के बीच) तो आपको उस उपयुक्त समय श्रेणी पर क्लिक करना होगा।

चयनित तिथि

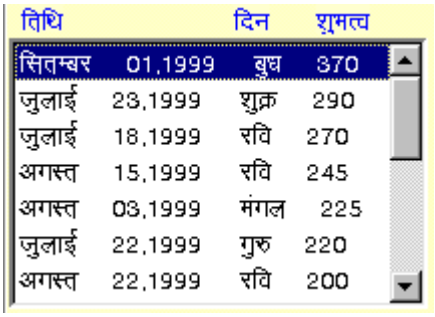

यह मुहूर्त तिथि है। यानि कि जब आप इस स्क्रीन को पहली बार देखते हैं तब जो भी तिथि चयनित है वह मुहूर्त की तिथि कहलाती है। उदाहरणतः सितम्बर १- १९९९ जो कि सूची में पहली तारीख है वह चयनित है। यह सूची शुभत्व के आधार पर अवरोही क्रम में है। इसलिए वह तिथि जो कि सबसे ऊपर प्रदर्शित की गई है वह अत्यधिक लाभकारी है। इसलिए शुरुआत में सर्वोच्च लाभ देने वाली तारीख को सबसे ऊपर चयनित किया जाता है। इसलिए इस कार्य को सितम्बर १- १९९९ जो कि सर्वश्रेष्ठ लाभकारी तिथि है को किया जाना चाहिए। दूसरी लाभकारी तिथि अगस्त २४ है। वह समय श्रेणियाँ , मुहूर्त चार्ट ,मुहूर्त नवांश, पंचांग की विस्तृत जानकारी ,लेखाचित्र इत्यादि जो कि आप देख रहे हैं , ये चयनित तिथि से सम्बन्ध रखते हैं। इसलिए यदि आप तिथि सूची की अन्य तिथियों की समय श्रेणियां देखना चाहते हैं तब आपको उस तिथि को क्लिक कर चयनित करना होगा। तब यह उस तिथि के शुभ लाभ की मिनिट दर मिनिट की गणना करेगा और कुछ ही समय में वह चयनित तिथि तथा निश्चित समय श्रेणी के अनुसार समय श्रेणी , मुहूर्त चार्ट , नवांश और पंचांग की विस्तृत जानकारी दिखला देगा।

निश्चित समय

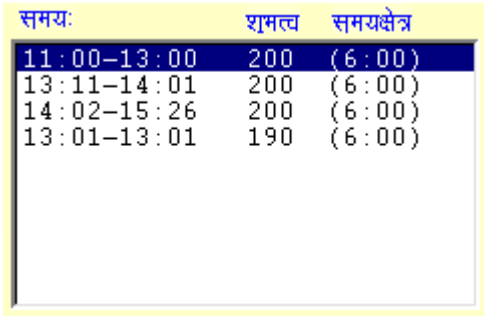

नीली पृष्ठभूमि की समय श्रेणी मुहूर्त चार्ट की निश्चित तिथि वसमय को प्रदर्शित करती है। वह मुहूर्त नवांश जो कि प्रदर्शित होता है हमेशा समय श्रेणी में समान नहीं होता। मुहूर्त में न वांश महत्वपूर्ण होने पर ही उस समय श्रेणी में समान होता है। समयश्रेणी का आधारभूत अर्थ है कि वे पंचांग तत्व इसी समय श्रेणी से सम्बन्ध रखते हैं। मुहूर्त चार्ट जो कि दाहिनी तरफ होता है - समय श्रेणी से सम्बन्ध रखता है। यह समयश्रेणी में नहीं बदलता है। जब आप एक प्रिन्ट आउट निकालते हैं - सभी पंचांग के तत्वों से प्राप्त लाभ व हानि का सम्बन्ध जो कि इस समय श्रेणी में उपस्थित होता है- छप जाता है। यह प्रिन्ट आउट चयनित समय व तिथि से सम्बन्ध रखता है।

मुहूर्त चार्ट

मुहूर्त चार्ट दिये गये मुहूर्त समय में ग्रहों की स्थिति का विशेष प्रस्तुतीकरण है । इसमें १२

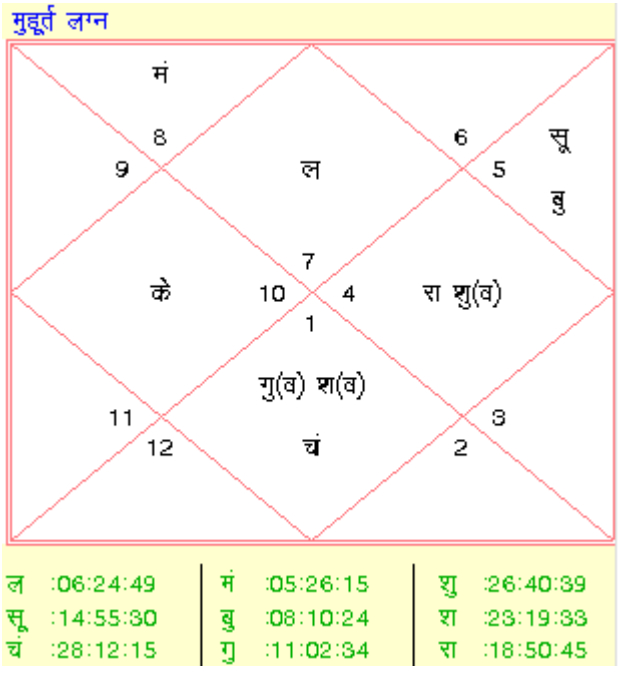

भाव., १२ राशियाँ (चिन्ह मेष से मीन) तथा ९ ग्रह (सूर्य से केतू) होते हैं। प्रत्येक भाव में एक राशि होती है। प्रत्येक ग्रह १२ भावों में से एक में स्थित होता है।प्रत्येक ग्रह भाव की स्थिति के अनुसार - उस भाव में उपस्थित राशि एवं हजारों अन्य तथ्यों के मेलजोल की वजह से हितकारी अथवा विनाशकारी होता है। सभी भाव राशियों एवं ग्रहों की अलग अलग श्रेणी हो ती है। प्रत्येक भाव जिन्दगी के अलग-अलग क्षेत्रों को प्रस्तुत करता है। एक चार्ट अन्य असंख्य समखण्ड होते हैं। इन खण्डों की कुल संख्या तथा सम्भावनायें कहीं पर कुल संख्या में सम्पूर्ण ब्रह्ममाण्ड के अणुओं के निकट होती है।

मुहूर्त नवांश

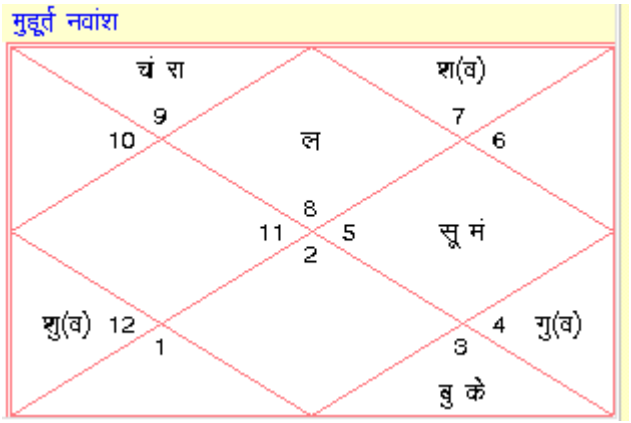

नवांश की गणना मुहूर्त चार्ट के लिये की जाती है। नवांश में १५ विभागीय चार्ट होते हैं।

पंचांग सूची के आंकडे

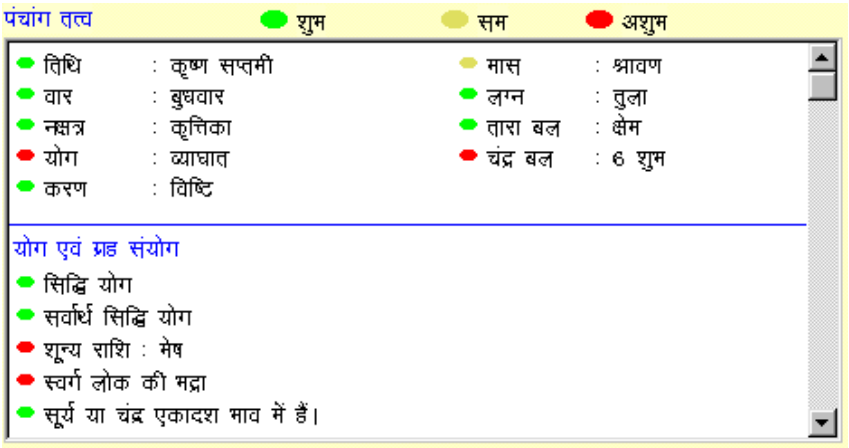

इसमें पंचांग के आंकडे निश्चित तिथि व समय निश्चित समय के आधार पर होते हैं। इसमें तिथि, दिन, नक्षत्र, कर्ण योग, संयुक्त योग, अष्टकवर्ग योग, नक्षत्र स्थिति एवं वह सम्बन्ध जो कि उस तिथि समय श्रेणी के आधार पर मुहूर्त चार्ट मुहूर्त नवांश में है , दोष अगर है तो दोष निदान व कारक भावों का शुभत्व , कारक ग्रह लग्न तथा लग्न स्वामी होता है।

उदाहरणतः दिए गए उदाहरण में श्रावण का महीना है जो कि मुहूर्त के लिए सम है। अर्थात वह मुहूर्त के लिए न तो लाभदायक है न ही हानिकारक। ताराबल जो कि क्षेम है - लाभदायक है।लग्न जो कि तुला है, हानिकारक है। सिद्धि व सर्वार्थ सिद्धि योग सर्वोत्तम लाभकारी है। हमेशा ही कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो कि लाभकारी व हानिकारक होते हैं। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि वे तत्व कितने प्रभावशाली है। यह भी दिमाग में रखना अत्यावश्यक है कि अहितकारी तत्वों की अवहेलना की जाये ।इन सभी बातों का प्रोग्राम के तहत पूर्ण ध्यान रखा गया है। इसलिए आप लाल बिन्दु को देखकर चिन्तित न हो। आपको विश्वास रहे कि यह साफ्टवेयर यह जानते हुए भी इस मुहूर्त को प्राथमिकता दे रहा है क्योंकि वह दूसरे मुहूर्त से अधिक श्रेष्ठ है।

पिक लिस्ट

पिक लिस्ट में दो तथा दो से अधिक कुण्डलियों की तुलना की सुविधा उपलब्ध है। जिस कुण्डली की तुलना की जानी है उसे पिक लिस्ट का जोडें बटन दबाकर लिस्ट में जोड दिया जाता है। जब कुण्डलियों का चयन पिक लिस्ट में हो जाता है तब कुण्डलियों बटन को दबाकर चयनित मुहूर्त कुण्डलियों को एक साथ अन्य स्क्रीन पर देखा जा सकता है।

सूची से उठाएं

यह मुहूर्त कुण्डली को चयनित समय के आधार पर पिक लिस्ट में जोडता है। अधिक से अधिक आठ मुहूर्त कुण्डलियां एक सूची में जोडी जा सकती हैं। किसी भी समय श्रेणी को

पिक लिस्ट से जोडने के लिए उसे क्लिक करना होगा तथा जोडें बटन को क्लिक करना होगा। एक से अधिक कुण्डली का चयन करने के लिए आपको इस प्रक्रिया को दोहराना होगा।

हटाएं बटन

इस बटन को क्लिक करने से पिक लिस्ट में चयनित कुण्डली को लिस्ट में से हटाया जा सकता है। यह महत्वपूर्ण है कि जब कभी भी आपने किसी समय श्रेणी को गलती से पिक लिस्ट में जोड दिया हो तो आप उसे हटाएं बटन के द्वारा हटा सकते हैं।

पीछे बटन

पीछे बटन दबाने से आप पिछली स्क्रीन पर पहुंच जाते हैं जो कि आपकी पहली स्क्रीन थी।

कुण्डलियां बटन

यह एक अन्य विन्डो पर पिक लिस्ट सूची की समस्त मुहूर्त कुण्डलियों को एक बार ही में दर्शाता है।यह आपको सभी कुण्डलियों की तुलनात्मक अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करता है।

रेखाचित्र बटन

यह एक अन्य विन्डो पर अलग-अलग समय श्रेणियोंकी शुभ लाभदायकता को रेखाचित्र के माध्यम से दर्शाता है।

एडवांस्ड रिजल्ट्स स्क्रीन (Advanced Results Screen)

ग्राफ्स स्क्रीन (Graphs Screen)

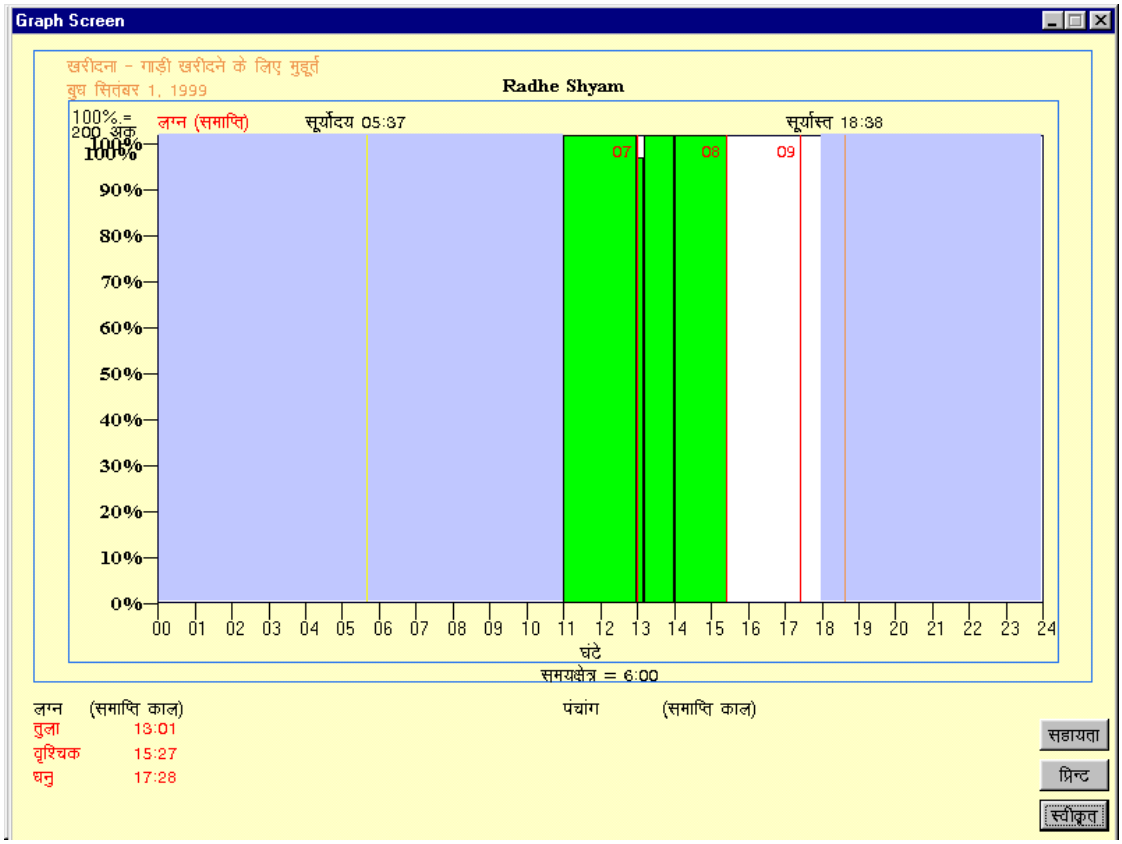

यह स्क्रीन चयनित तिथि के सभी समय को रेखाचित्र के रुप में प्रस्तुत करता है। यहां x अक्षांश पर घण्टे तथा y. अक्षांश पर शुभत्व को प्रदर्शित किया जाता है। हरी रेखा जितनी अधिक लम्बी होगी मुहूर्त उतना ही अधिल लाभकारी होगा। जैसा कि हम पहले ही देख चुकेहैं कि पंचांग के तत्व (तिथि, नक्षत्र इत्यादि) दिन के दौरान बदल जाते हैं। अतः सभी पंचांग के तत्व जो कि उस दिन समय के आधार पर बदलते हैं उन्हें रंगीन रेखाओं के आधार पर व्यक्त किया जाता है। ये रेखाएं बदलते हुए समय परिवर्तन से मेल खाती हैं। पंचांग के तत्वों को समय परिवर्तन के आधार पर सारणी में दर्शाया गया है। लग्न को लाल रंग के द्वारा दर्शाया गया है व नक्षत्र को गहरे नीले रंग द्वारा। उदाहरणतः सातवाँ लग्न (तुला) में जो कि लाल रेखा द्वारा दर्शाया गया है १३:०१ घंटे पर समाप्त होता है तथा वहाँ से आठवें लग्न की शुरुआत होती है।स्क्रीन के नीचे की ओर बाँयी तरफ लग्नों का समाप्ति काल देख सकतेहैं।

इस तरह तुला राशि का लग्न १३:०१ पर समाप्त होता है। इसी तरह से हरी रेखा द्वारा कर्ण दर्शाया गया है जो कि ८:०० से ९:०० घण्टों के बीच समाप्त होता है। पंचांग शीर्षक के अन्तर्गत स्क्रीन के नीचे द्वितीय नक्षत्र भरणी को देख सकते हैं जिसका अन्त ८:२५ घण्टों पर होता है। इन पंचांग तत्वों को दर्शाते समय केवल उन्हें ही लिया जाता है जो कि उस सम य अन्तराल के अन्तर्गत होते हैं जिसका चयन हमने आरम्भ में किया था जैसा कि हमारे उदाह रण में ११:०० से १८:०० घण्टों के बीच होता है। सूर्योदय व सूर्यास्त की भी रंगीन रेखाओं के द्वारा रेखांकित किया गया है।

सामान्यतः सबसे लम्बी हरी रेखा को ढूँढने के साथ-साथ यह भी सलाह देने योग्य बात है कि रेखा की चौडाई को भी देखा जाये। क्योंकि वह जितनी चौडी होगी उतना ही लम्बा मुहूर्त का समय होगा। यदि आप मुहूर्त का वह कार्य करना चाहते हैं जो बहुत सी गतिविधियों से संबंधित है और एक छोटे से समय के अन्तराल में सभी गतिविधियों को क्रियान्वित नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः यदि ५ मिनट की समय श्रेणी को ९० शुभत्व अंक मिले हैं तथा दूसरी समय श्रेणी जो कि ६० मिनट की है उसको ८० शुभत्व अंक मिले हैं तब आप बाद वाले को चुनना पसन्द करेंगे। यदि आप कार खरीदने जा रहे हैं तो यह एक विशेष गतिविधियों के क्रम से सम्बन्ध रखती है। दूसरी तरफ यदि आपको हार खरीदने का मुहूर्त निकालना है तब आप शायद पहली वाली श्रेणी का चयन करेंगे क्योंकि स्वर्णहार पहनने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

अगर आप यह जानना चाहते हैं कि किसी विशेष समय श्रेणी में अन्य की अपेक्षाकृत अधिक शुभत्व क्यों हैं तो आपको वापिस परिणाम स्क्रीन पर जाकर तथा उस समय श्रेणी को समय सूची मेंचयनित कर पंचांग तिथि व मुहूर्त की तिथि के आंकडे देखने होंगे।

प्रिंट बटन : यह रेखाचित्र का प्रिंट आऊट निकालता है।

पीछे बटन : यह आपको मुहूर्त रिजल्ट स्क्रीन पर ले जाता है।

सहायता बटन : आपको सहायता पुस्तिका तक ले जाता है।

कुण्डली तुलनात्मक स्क्रीन

यह स्क्रीन उन सभी कुण्डलियों को प्रदर्शित करती है जो कि पिक लिस्ट में उपस्थित हैं। समय व तिथि को कुण्डलियों के ऊपर प्रदर्शित किया जाता है। यह किसी जानकार या ज्ञानी पुरुष के लिए अलग-अलग तिथि और समय के मुहुर्तों की तुलना को सुविधा जनक बना देता है।

छठा अध्याय : मुहूर्त का प्रिंट आऊट लेना

आप चयनित मुहूर्त का प्रिन्ट आउट निकाल सकते हैं। यह दो प्रकार के होते हैं-

क) मुहूर्त कुण्डली व ज्योतिष की विस्तृत जानकारी।
ख) मुहुर्तों की शुभत्व संबंधी जानकारी।

आप इन दोनों प्रिन्ट आउट को प्रिन्ट का बटन दबाकर परिणाम स्क्रीन पर देख सकते हैं।

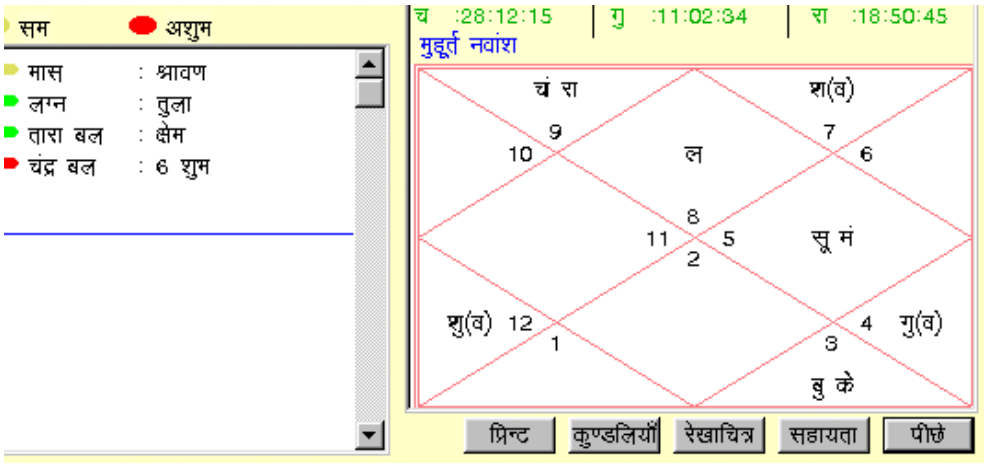

आप चयनित तिथि व समय का प्रिन्ट आउट पाते हैं अर्थात मुहूर्त कुण्डली,ज्योतिष प्रक्रिया तथा लाभकारी विस्तृत जानकारी आप द्वारा चयनित तिथि व समय से संबंध रखते हैं।

शुभत्व रेखाचित्र

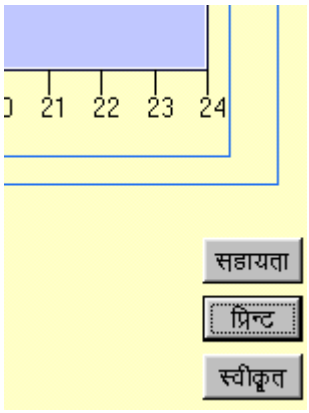

आप रेखाचित्र को ग्राफ स्क्रीन का प्रिन्ट बटन दबाकर प्रिन्ट आउट निकाल सकते हैं। यह रेखाचित्र चयनित तारीख का होगा। चयनित समय का रेखाचित्र के प्रिन्ट आउट में कोई महत्व नहीं होता क्योंकि रेखाचित्र उस दिन के लिए समस्त लाभकारी समय श्रेणीयां दिखाता है।

अपेन्डिक्स १ : श्रेष्ठ मुहूर्त कैसे चुनें

१ आपको जिस व्यक्ति के मुहूर्त का चयन करना है उसके जन्म के आंकडो को कम्प्यूटर में डालें।
उसके लिय पहली स्क्रीन पर फाईल मीनू में एड न्यू यूजर को क्लिक करें। यदि इस व्यक्ति के जन्म के आंकडे पहले प्रोग्राम में सुरक्षित है तो आपको दुबारा उस व्यक्ति के आंकडे भ रने की आवश्यकता नहीं होगी । आप उस का चयन व्यक्तियों की सूची से कर सकते हैं। प्रोग्राम द्वारा उस व्यक्ति के जन्म के आंकडे स्वयं ले लिये जाते हैं।

२ जहाँ पर घटना घटित होनी है उस स्थान का चयन स्थान सूची से कर सकते हैं। नए स्थान के लिए फाईल मीनू में एड न्यू लोकेशन को क्लिक करें।

३ मुहूर्त सूची से मुहूर्त का चयन करें।

४ शुरुआत की तारीख को चुने।

५ अन्तिम तिथि का चयन करें।

६ अगर आप किन्हीं निश्चित साप्ताहिक दिनों की अवहेलना करना चाहते है। तब आप उन बाक्सेज को चैक कर लें जो कि साप्ताहिक दिनों के आगे स्क्रीन पर नीचे की ओर है। चैक किए हुए साप्ताहिक दिनों की मुहूर्त में गणना नहीं की जायेगी ।मुहूत

७ यदि आप किसी समय सीमा के लिए मुहूर्त निकालना चाहते हैं तो आप उसका चयन स्क्रीन के नीचे की तरफ दी गई सूचियों में से कर सकते हैं। उदाहरणतः यदि आपको सुबह ८:०० बजे से शाम ६:०० बजे तक मुहूर्त खोजना है तो आपको ८:०० का चयन इसके बाद सूची में करना होगा। इसके पहले सूची में १८:०० का चयन करना होगा।

८ अगर किन्हीं गलत आंकडो का प्रवेश या चयन हो गया है तो ऊपर वाली प्रक्रियाओं में से किसी को दोहराया जा सकता है। यदि आप सभी विकल्पों को पूर्ववत व्यवस्थित करना चाहते हैं तो आपको रिफ्रेश बटन दबाना होगा।

९ मुहूर्त परिणाम जानने हेतु मुहूर्त खोजें बटन को दबायें । मुहूर्त गणना कुछ समय लेती है ।जब गणना पूर्ण हो जायेगी तब अगले स्क्रीन पर परिणाम दिखलाये जायेंगे ।

१० परिणाम स्क्रीन पर एक तिथि की सूची है जिसमें कि कई फलदायक तिथियाँ है जिनका चयन उनके लाभकारी फल के आधार पर किया गया है । वह तारीख जो कि सबसे ऊपर है किसी भी कार्य को करने के लिए अत्यधिक लाभकारी होगी ।

११ समय सूची में चयनित तिथि का समय होता है ।सबसे पहली तिथि के श्रेष्ठ समय अन्तराल सबसे पहली बार दिखलाये जायेंगे । सबसे अच्छी तिथि जो कि सबसे ऊपर है पहले से चयनित होगी । इसलिए सभी समय जो कि आप उस समय सूची में देखते हैं सर्वोत्तम तिथि के समय अन्तराल हैं ।

१२ मुहूर्त पत्री चयनित तिथि और समय श्रेणी के लिए प्रदर्शित की गई है ।

१३ मुहूर्त नवांश जो समय श्रेणी की शुरुआत के लिए चुना गया है प्रदर्शित किया गया है। यह कुल समय श्रेणी के लिए एक समान नहीं रहता है । यह केवल उसी समय श्रेणी के लिए समान रहता है जबकि इसका महत्व मुहूर्त चुनने के लिए होता है । ऐसा इसलिए है कि कुछ मुहुर्तों के शुभ होने में नवांश मुहूर्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है और तब यह एक लाभकारी परिवर्तन का नेतृत्व करता है जो कि इसी समय श्रेणी के बीच है तथा असम्भव है क्योंकि एक इकलौते समय से समान लाभ की कल्पना की जाती है । ठीक उसी प्रकार से जब यह लाभकारी प्रभाव नहीं डालता तब समय श्रेणी के लाभकारी होने का कोई असर नहीं होता जिसमें कई मुहूर्त व नवांश होते हैं । जब नवांश मुहूर्त के लिए अशुभ होता है तो समय श्रेणी को ५ से १५ मिनिट तक की सम श्रेणी को अलग करने का कोई अर्थ नहीं है (मुहूर्त नवांश)

१४ पंचांग के आंकडो में चयनित तिथि तथा चयनित समय के आधार पर आंकडे होते है । एक हरा दीर्घवृत इंगित करता है कि निश्चित तत्व मुहूर्त के लिए अधिक लाभकारी है ।
पीली रेखा सम को व्यक्त करती है तथा लाल का अर्थ अशुभ है ।

१५ अगर आप एक प्रिन्ट आउट लेना चाहते है तो आपको प्रिन्ट बटन दबाना है । प्रिन्ट आउट में पंचांग की विस्तृत जानकारी मुहूर्त चार्ट मुहूर्त नवांश जन्म चार्ट व शुभ अशुभ का संबंध प्रदर्शित की जाती है । यह प्रिन्ट आउट चयनित तिथि व चयनित समय श्रेणी की विस्तृत जानकारी देता है ।

१६ अलग अलग मुहूर्त कुण्डलियों की तुलना हेतु चयनित तिथि व समय को पिक लिस्ट में जोडने के लिए जोडे बटन पर क्लिक करें ।

१७ रेखाचित्र को क्लिक कर उस तिथि का लाभकारी प्रस्तुतीकरण देखा जा सकता है। रेखाचित्र आपको पंचांग तत्वों में परिवर्तन जैसे तिथि इत्यादि का बदलाव दिखलायेगा।

१८ एक से अधिक कुण्डलियों को तुलनात्मक दृष्टि से देखने के लिएे आपको कुण्डलियों बटन को क्लिक करना होगा।

१९ आप पंचांग की विस्तृत जानकारी मुहूर्त कुण्डली तथा मुहूर्त नवांश किसी भी समय श्रेणी की समय सूची में क्लिक कर कर देख सकते हैं।

२० ठीक उसी प्रकार से अगर आप सबसे अच्छी समय श्रेणी तथा दूसरी विस्तृत जानकारी दूसरी तिथियों के संबंध में देखना चाहते हैं तो आपको तिथि सूची में से किसी भी तिथि को क्लिक करना पडेगा। कुछ समय पश्चात नई समय श्रेणियाँ प्रदर्शित होंगी।

२१ आपको पहली स्क्रीन पर जाने के लिए **पीछे** बटन को क्लिक करना होगा।

२२ दूसरे मुहूर्त के चयन हेतु आपको उसी प्रक्रिया को बिन्दु नं १ से दोहराना होगा।

२३ प्रोग्राम बन्द करने हेतु अस्वीकृत बटन को क्लिक करना होगा।मुहुत

अपेन्डिक्स २ : मुहूर्तों की सूची

क्रमांक	मुहूर्तों के नाम
1	शिशु – विद्यारम्भ मुहूर्त
2	शिशु – प्रसूता स्नान मुहूर्त
3	शिशु – जन्म उत्सव मुहूर्त
4	शिशु – स्तन्यपान मुहूर्त
5	शिशु – दोलारोहण मुहूर्त
6	शिशु – कर्णवेधः मुहूर्त
7	शिशु – दुग्धपान मुहूर्त
8	शिशु – अन्नप्राशन मुहूर्त
9	शिशु – ताम्बूल भक्षण मुहूर्त
10	शिशु – निष्क्रमण मुहूर्त!शिशु – प्रथम बार घर से बाहर जाने का मुहूर्त
11	शिशु – उपनयन (जनेऊ) संस्कार मुहूर्त
12	शिशु – नूतनाक्षर/लेखनारंभ मुहूर्त
13	शिशु – नामकरण संस्कार
14	शिशु – भूम्युपवेशन मुहूर्त
15	शिशु – केशान्तकर्म मुहूर्त
16	शिशु – जलपूजन मुहूर्त
17	व्यापार – पशुधन (गायों) के क्रय/विक्रय का मुहूर्त
18	व्यापार – अश्व (घोड़ों) के क्रय/विक्रय का मुहूर्त
19	व्यापार – वृहत् कुटीर उद्योग को आरम्भ करने के लिए मुहूर्त
20	व्यापार – लघु कुटीर उद्योग को आरम्भ करने के लिए मुहूर्त
21	व्यापार – आभूषण निर्माण मुहूर्त – सुवर्णादि के आभूषण जिनमें रत्नादि का प्रयोग न हो
22	व्यापार – रत्न की कटाई/पॉलिश आदि का मुहूर्त
23	व्यापार – गज (हाथियों) का क्रय/विक्रय मुहूर्त

24 व्यापार – गृह हेतु पालतू (बकरी, गाय) पशुओं के क्रय/विक्रय का मुहूर्त!व्यापार – गृह हेतु पालतू (बकरी, गाय) पशुओं के क्रय/विक्रय का मुहूर्त

25 व्यापार – अल्पविक्रय, फुटकर बिक्री के लिए मुहूर्त!व्यापार – अल्पविक्रय, फुटकर बिक्री के लिए मुहूर्त

26 व्यापार – वाहन क्रय/विक्रय मुहूर्त

27 निर्माण – बोरिंग, कुएँ, तालाब आदि के निर्माण का मुहूर्त!निर्माण – बोरिंग, कुएँ, तालाब आदि के निर्माण का मुहूर्त

28 निर्माण – नौका/ज़हाज निर्माण मुहूर्त

29 निर्माण – निर्माण सामग्री संग्रहण मुहूर्त!निर्माण – निर्माण कार्यों के लिए ईंट, पत्थर आदि का क्रय

30 निर्माण – लकड़ी तथा पत्थरों की कटाई आदि के लिए मुहूर्त

31 निर्माण – गाँव, नगर आदि निर्माण मुहूर्त!निर्माण – गाँव, नगर आदि निर्माण मुहूर्त

32 निर्माण – द्वार स्थापन मुहूर्त

33 निर्माण – कुओं, बोरिंग आदि की नींव रखने तथा खुदाई आदि करने के लिए मुहूर्त!निर्माण – कुओं, बोरिंग आदि की नींव रखने तथा खुदाई आदि करने के लिए मुहूर्त

34 निर्माण – घर, दफ्तर आदि की भीतरी साज–सजावट के लिए मुहूर्त!निर्माण – घर, दफ्तर आदि की भीतरी साज–सजावट के लिए मुहूर्त

35 निर्माण – शिलान्यास मुहूर्त

36 निर्माण – स्तम्भारोपण मुहुर्त

37 निर्माण – गृह निर्माण, भवन निर्माण मुहूर्त!निर्माण – गृह निर्माण, भवन निर्माण मुहूर्त

38 निर्माण – जैन मन्दिर विहारादि निर्माण मुहूर्त

39 निर्माण – सेतु–बन्ध मुहूर्त

40 निर्माण – मन्दिर निर्माणारंभ मुहूर्त

41 निर्माण – कोट निर्माणारंभ मुहूर्त!निर्माण – दुर्ग, किला, परकोटा, सरकारी भवन आदि का निर्माण प्रारम्भ कराना

42 निर्माण – जीर्णादि गृह निर्माण मुहूर्त

43 निर्माण – जलाशय निर्माण मुहूर्त

44 निर्माण – जल में रहने वाले जीव–जन्तुओं के लिए जलाशय का निर्माणारम्भ मुहूर्त

45 निर्माण – वंदनमाल बन्धन मुहूर्त

46 निर्माण – गाँव, नगर में सभा–भवन निर्माण आरम्भ करने का मुहूर्त!निर्माण - गाँव, नगर में सभा–भवन निर्माण आरम्भ करने का मुहूर्त

47 निर्माण – घर पर जलाशय के निर्माण का मुहूर्त

48 निर्माण – भवन ध्वंस मुहूर्त

49 लेन–देन – ऋण लेना

50 लेन–देन – धन जमा कराने का मुहूर्त

51 लेन–देन – बैंक में धन रखना

52 लेन–देन – चौपाये पशुओं (गाय, भैंस आदि) का व्यापार करने के लिए मुहूर्त!लेन–देन – चौपाये पशुओं (गाय, भैंस आदि) का व्यापार करने के लिए मुहूर्त

53 लेन–देन – अश्व (घोड़ों) का व्यापार करने के लिए मुहूर्त

54 लेन–देन – उधार या ऋण देने का मुहूर्त

55 लेन–देन – पैसा ऋण (कर्ज) के रुप में उधार देने का मुहूर्त

56 लेन–देन – पैसा ऋण (कर्ज) के रुप में उधार लेने का मुहूर्त

57 लेन–देन – ऋण (कर्ज) वापस जमा कराने का मुहूर्त

58 लेन–देन – पैसा/ऋण (कर्ज) वापस लेने के लिए मुहूर्त

59 शिक्षा – ज्योतिष या खगोल विद्या का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मुहूर्त!शिक्षा – ज्योतिष या खगोल विद्या का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मुहूर्त

60 शिक्षा – शिक्षा आरम्भ करने के लिए मुहूर्त

61 शिक्षा – दीक्षान्त समारोह मुहूर्त

62 शिक्षा – नृत्य और संगीत विद्या का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मुहूर्त

63 शिक्षा – तर्कशास्त्र एवं मनोविज्ञानशास्त्र का ज्ञान आरम्भ (प्राप्त) करना

64 शिक्षा – औषधि सम्बन्धी विद्या का ज्ञान आरम्भ (प्राप्त) करना!शिक्षा - औषधि सम्बन्धी विद्या का ज्ञान आरम्भ (प्राप्त) करना

65 शिक्षा – विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मुहूर्त

66 शिक्षा – अक्षरारंभ मुहूर्त

67 शिक्षा – व्यापार सम्बन्धी विद्या का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मुहूर्त

68 शिक्षा – वेद और शास्त्रों सम्बन्धी विद्या का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मुहूर्त

69 कृषि – खाद देने का मुहूर्त

70 कृषि – खेती के लिए जमीन खरीदने का मुहूर्त!कृषि – खेती के लिए जमीन खरीदने का मुहूर्त

71 कृषि – धान्य–संग्रह मुहूर्त!कृषि – अनाज काटने और संग्रह करने का मुहूर्त

72 कृषि – अनाज की पिसाई का मुहूर्त!कृषि – अनाज की पिसाई का मुहूर्त

73 कृषि – अनाज की कटाई का मुहूर्त!कृषि – अनाज की कटाई का मुहूर्त

74 कृषि – पेड़ों की कटाई का मुहूर्त!कृषि – पेड़ों की कटाई का मुहूर्त

75 कृषि – खेती करने का मुहूर्त!कृषि – खेती करने का मुहूर्त

76 कृषि – पेड़–पौघों की काट–छाँट और कलम बाँधने का मुहूर्त!कृषि – पेड़–पौघों की काट–छाँट और कलम बाँधने का मुहूर्त

77 कृषि – धान्य (अन्न) की कटाई का मुहूर्त!कृषि – धान्य (अन्न) की कटाई का मुहूर्त

78 कृषि – दूसरे कृषकों को अन्न उधार देना!कृषि – दूसरे कृषकों को अन्न उधार देना

79 कृषि – धान्य (अन्न) रोपण मुहूर्त!कृषि – खेतों में अन्न बोने का मुहूर्त

80 कृषि – खेतों में हल जोतने (चलाने) का मुहूर्त!कृषि – खेतों में हल जोतने (चलाने) का मुहूर्त

81 कृषि – बैलों पर हल रखने का मुहूर्त!कृषि – बैलों पर हल रखने का मुहूर्त

82 कृषि – अनाज–विक्रय का मुहूर्त!कृषि – अनाज–विक्रय का मुहूर्त

83 कृषि – बीज वपन मुहूर्त!कृषि – बीज वपन मुहूर्त

84 कृषि – जल–सिंचन मुहूर्त!कृषि – जल–सिंचन मुहूर्त

85 गृह–प्रवेश – नए घर में प्रवेश का मुहूर्त

86 गृह–प्रवेश – जीर्णादि गृह प्रवेश मुहूर्त

87 गृह–प्रवेश – वास्तु देव की प्रतिष्ठा/पूजन करने के लिए मुहूर्त!गृह–प्रवेश - वास्तु देव की प्रतिष्ठा/पूजन करने के लिए मुहूर्त

88 निर्माण – पलंग, रजाईयाँ, झूले आदि का निर्माण आरम्भ करने के लिए मुहूर्त!निर्माण – पलंग, रजाईयाँ, झूले आदि का निर्माण आरम्भ करने के लिए मुहूर्त

89 निर्माण – वस्त्रोत्पादन मुहूर्त

90 निर्माण – आभूषण निर्माण मुहूर्त!निर्माण – आभूषण निर्माण मुहूर्त

91 विवाह – स्वयंवर मुहूर्त

92 विवाह – वेदी का निर्माण एंव स्तम्भारोपण मुहूर्त

93 विवाह – प्रथम पाककर्म मुहूर्त

94 विवाह – वध्वागमन मुहूर्त

95 विवाह – द्विरागमन मुहूर्त

96 विवाह – गान्धर्व विवाह मुहूर्त

97 विवाह – आयोजित विवाह (ब्रह्म विवाह) मुहूर्त

98 विवाह – वाग्दान मुहूर्त

99 विवाह – तैलादि–लापन मुहूर्त

100 विवाह – सगाई मुहूर्त

101 विवाह – वर–वरण मुहूर्त

102 विवाह – कन्या–वरण मुहूर्त

103 विवाह – मण्डपोद्वासनादि मुहूर्त

104 औषधि – औषधि–सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त!औषधि – औषधि–सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त

105 औषधि – दाँतों सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त!औषधि – दाँतों सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त

106 औषधि – नाक सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त!औषधि – नाक सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त

107 औषधि – शल्यकर्म मुहूर्त!औषधि – सर्जिकल् ऑपरेशन करने का मुहूर्त

108 औषधि – ऍन्–इमा लेने का मुहूर्त!औषधि – ऍन्–इमा लेने का मुहूर्त

109 औषधि – इन्जेक्शन् लेने का मुहूर्त!औषधि – इन्जेक्शन् लेने का मुहूर्त

110 औषधि – औषधि निर्माण मुहुर्त!औषधि – औषधि निर्माण मुहुर्त

111 औषधि – पथ्य (आहार) सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त!औषधि – पथ्य (आहार) सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त

112 औषधि – मिर्गी रोग सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त!औषधि - मिर्गी रोग सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त

113 औषधि – कुष्ठ–कोढ़ रोग सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त!औषधि – कुष्ठ–कोढ़ रोग सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त

114 औषधि – मैथुन सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त!औषधि – मैथुन सम्बन्धी चिकित्सा शुरुआत करने का मुहूर्त

115 विभिन्न – बच्चे को गोद लेने का मुहूर्त

116 विभिन्न – ग्रह शान्ति विचार के लिए मुहूर्त

117 विभिन्न – कपड़े रंगना और उन पर चित्रकारी करने का मुहूर्त

118 विभिन्न – नाखून काटने का मुहूर्त

119 विभिन्न – किले या दुर्ग को नष्ट करने का मुहूर्त!विभिन्न – किले या दुर्ग को नष्ट करने का मुहूर्त

120 विभिन्न – नए अन्न से बना खाना खाने का मुहूर्त

121 विभिन्न – सम्पत्ति का बँटवारा करने का मुहूर्त

122 विभिन्न – हवन शुरु करने का मुहूर्त

123 विभिन्न – पहली बार नौ प्रकार का अन्न खाने के लिए मुहूर्त

124 विभिन्न – नए नौकरों को नौकरी पर रखने के लिए मुहूर्त

125 विभिन्न – जनेऊ त्यागने का मुहूर्त

126 विभिन्न – पुस्तकालय को शुरु करने के लिए मुहूर्त

127 विभिन्न – धार्मिक संस्कार

128 विभिन्न – घुड़ दौड

129 विभिन्न – स्कूल, होस्टल एंव बोरिंग का प्रतिष्ठापन करवाने का मुहूर्त!विभिन्न – स्कूल, होस्टल एंव बोरिंग का प्रतिष्ठापन करवाने का मुहूर्त

130 विभिन्न – ध्यान सिखाना शुरु करने का मुहूर्त

131 विभिन्न – मूर्ति स्थापना

132 विभिन्न – उपनयन (जनेऊ) संस्कार के लिए मुहूर्त

133 विभिन्न – पक्षियों को पालना, रखना और उनका पोषण करने के लिए मुहूर्त!विभिन्न – पक्षियों को पालना, रखना और उनका पोषण करने के लिए मुहूर्त

134 विभिन्न – लॉटरी लेने और प्रतियोगिताओं में बैठने के लिए मुहूर्त

135 विभिन्न – श्रृंगार मुहूर्त

136 विभिन्न – वसीयतनामा लिखने या लिखवाने के लिए के लिए मुहूर्त

137 विभिन्न – शस्त्र निर्माण मुहूर्त

138 विभिन्न – पशु-पक्षियों को पालने के लिए मुहूर्त, जैसे-कुत्ता, बिल्ली,तोता आदि!विभिन्न – पशु-पक्षियों को पालने के लिए मुहूर्त, जैसे-कुत्ता, बिल्ली,तोता आदि

139 विभिन्न – वृक्षारोपण मुहूर्त

140 विभिन्न – पहली बार वाद्य यन्त्र बजाने का मुहूर्त

141 विभिन्न – दुआ, प्रार्थना करने के लिए मुहूर्त!विभिन्न – दुआ, प्रार्थना करने के लिए मुहूर्त

142 विभिन्न – दूसरे घर में प्रवेश करने का मुहूर्त या घर बदलने के लिए मुहूर्त

143 विभिन्न – पहली बार नई गाड़ी चलाने का मुहूर्त या घोड़ा दौड़ाने का मुहूर्त

144 विभिन्न – भागे हुए अपराधिक कैदियों को पकड़ने के लिए मुहूर्त

145 विभिन्न – हजामत करने के लिए मुहूर्त

146 विभिन्न – कुछ दिनों के लिए एक जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए मुहूर्त

147 विभिन्न – बीमार होने के बाद प्रथम बार स्नान करने के लिए मुहूर्त

148 विभिन्न – प्रथम बार नए कुँए या टैंक से पानी निकाल कर पीने के लिए मुहूर्त

149 विभिन्न – साम्राज्य वृद्वि का शुभ मुहूर्त

150 विभिन्न – कपड़े धोने के लिए या धोबी को कपड़े धोने के लिए देने का मुहूर्त

151 विभिन्न – अन्त्येष्टि क्रिया सम्बन्धी मुहूर्त!विभिन्न – अन्त्येष्टि क्रिया सम्बन्धी मुहूर्त

152 विभिन्न – अगर मृत व्यक्ति का शरीर नहीं है तो शरीर के बिना अन्त्येष्टि करने का मुहूर्त!विभिन्न – अगर मृत व्यक्ति का शरीर नहीं है तो शरीर के बिना अन्त्येष्टि करने का मुहूर्त

153 विभिन्न – लिखना या लेखन शुरु करने के लिए मुहूर्त

154 अधिकार – नई नियुक्ति या नई नौकरी शुरु करने के लिए मुहूर्त

155 अधिकार – राज्याभिषेक करने के लिए मुहूर्त!अधिकार – राज्याभिषेक करने के लिए मुहूर्त

156 अधिकार – प्रजातन्त्र सम्बन्धी

157 अधिकार – अधिकारी या राज्य के लिए मंत्री चुनने के लिए मुहूर्त

158 अधिकार – प्रार्थनापत्र भरने के लिए मुहूर्त

159 अधिकार – मुकदमा दायर करने के लिए मुहूर्त

160 अधिकार – उच्च अधिकारियों के साथ सभा करने के लिए मुहूर्त

161 अधिकार – नौकरी या पार्टी की टिकट के लिए आवेदनपत्र भरने के लिए मुहूर्त

162 अधिकार – उच्च अधिकारियों से मिलने के लिए मुहूर्त

163 गर्भधारण – घटी धारण मुहूर्त

164 गर्भधारण – रजस्वला स्नान मुहूर्त

165 गर्भधारण – घटी धारण मुहूर्त

166 गर्भधारण – भ्रूण (बच्चा) लिंग परिवर्तन करने की रीति का मुहूर्त

167 गर्भधारण – आद्यरजोदर्शन मुहूर्त

168 गर्भधारण – विवाह के बाद प्रथम बार गर्भधारण होने पर मुहूर्त

169 गर्भधारण – सूतिकागार प्रवेश मुहूर्त

170 गर्भधारण – गर्भधारण की अवधि के दौरान लिए जाने वाले भोजन का मुहूर्त

171 गर्भधारण – गर्भधान मुहूर्त

172 गर्भधारण – सीमन्तोन्नयन मुहूर्त

173 गर्भधारण – गर्भस्त स्त्री की चिकित्सा के लिए मुहूर्त

174 गर्भधारण – विष्णुपूजा मुहूर्त!गर्भधारण – विष्णुपूजा (आठवें मास में पूजन) का मुहूर्त

175 खरीदना – शस्त्र खरीदने के लिए मुहूर्त

176 खरीदना – पशुधन खरीदने के लिए मुहूर्त

177 खरीदना – घर खरीदने के लिए मुहूर्त

178 खरीदना – भेड़-बकरी खरीदने के लिए मुहूर्त

179 खरीदना – आभूषण खरीदने के लिए मुहूर्त!खरीदना – आभूषण खरीदने के लिए मुहूर्त

180 खरीदना – रत्न खरीदने के लिए मुहूर्त
181 खरीदना – ज़मीन खरीदने के लिए मुहूर्त
182 खरीदना – भवन निर्माण के लिए ज़मीन खरीदने का मुहूर्त
183 खरीदना – नया सामान खरीदने के लिए मुहूर्त
184 खरीदना – व्यापार के लिए सामान खरीदने का मुहूर्त
185 खरीदना – बर्तन आदि खरीदने के लिए मुहूर्त
186 खरीदना – गाडी खरीदने के लिए मुहूर्त
187 बेचना – सामान बेचने के लिए मुहूर्त
188 आरम्भ – काला–जादू
189 आरम्भ – दुग्धशाला शुरु करने के लिए मुहूर्त
190 आरम्भ – कशीदाकारी शुरु करने का मुहूर्त
191 आरम्भ – मछली पालन मुहूर्त
192 आरम्भ – आभूषण निर्माण मुहूर्त!आरम्भ – आभूषण निर्माण मुहूर्त
193 आरम्भ – सरकारी नौकरी शुरु करने के लिए मुहूर्त
194 आरम्भ – चर्म–कृत्य मुहूर्त
195 आरम्भ – मशीनें काम में लेने के लिए मुहूर्त
196 आरम्भ – दुकान शुरु करने के लिए मुहूर्त
197 आरम्भ – व्यायामारंभ मुहूर्त
198 आरम्भ – मुर्गी पालन शुरु करने के लिए मुहूर्त
199 आरम्भ – नौकाघट्टन मुहूर्त
200 आरम्भ – युद्ध शुरु करने के लिए मुहूर्त
201 उपयोग – नई रजाईयाँ बिस्तर आदि प्रथम बार काम में लेने का मुहूर्त
202 उपयोग – पूजा की सामग्री काम में लेने के लिए मुहूर्त जैसे कपूर, अगरबती आदि!उपयोग – पूजा की सामग्री काम में लेने के लिए मुहूर्त जैसे कपूर, अगरबती आदि
203 उपयोग – नई लेखा बही काम में लेने के लिए मुहूर्त
204 उपयोग – नए बर्तन काम में लेने के लिए मुहूर्त
205 उपयोग – मालिश के लिए तेल काम में लेने का मुहूर्त
206 पहनना – कवचादि धारण के लिए मुहूर्त
207 पहनना – चूड़ी धारण मुहूर्त
208 पहनना – सोने व चांदी की ज़री के बने नए कपड़े पहनने के लिए मुहूर्त

209 पहनना – पुरुष के लिए नवीन वस्त्र धारण करने का मुहूर्त!पहनना – पुरुष के लिए नवीन वस्त्र धारण करने का मुहूर्त

210 पहनना – स्त्री के लिए नवीन वस्त्र धारण करने का मुहूर्त

211 पहनना – मुकुट या नई टोपी धारण करने के लिए मुहूर्त

212 पहनना – नवीन आभूषण धारण करने के लिए मुहूर्त!पहनना – नवीन आभूषण धारण करने के लिए मुहूर्त

213 पहनना – रक्त–वस्त्रधारण मुहूर्त

214 पहनना – शस्त्र धारण मुहूर्त

215 पहनना – श्वेत–वस्त्र धारण मुहूर्त

216 पहनना – ऊनी–वस्त्र धारण मुहूर्त

217 पहनना – पीत–वस्त्र धारण मुहूर्त

218 यात्रा – पूर्व

219 यात्रा – दक्षिण–पूर्व (आग्नेय)

220 यात्रा – दक्षिण

221 यात्रा – दक्षिण–पश्चिम (नैऋत्य)

222 यात्रा – पश्चिम

223 यात्रा – उत्तर–पश्चिम (वायव्य)

224 यात्रा – उत्तर

225 यात्रा – उत्तर–पूर्व (ईशान्य)

226 विवाह – दुबारा से विवाह करने के लिए मुहूर्त

227 आरम्भ – नवीन सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल का मुहूर्त

228 व्यापार – शेयर बेचने का मुहूर्त

229 व्यापार – शेयर खरीदने का मुहूर्त

कुछ विशेष तौर तरीके

१ **मुहूर्त निकालने मे इतना समय क्यों लगता है ।**

मुहूर्त प्रोग्राम अनेकानेक तथ्यों पर विचार विमर्श करने के उपरांत ही आपका मुहूर्त निकालता है।

उदाहरणतः = आगामी तीन माह के विवाह मुहूर्त के लिये क्या गणनाएं की जाती हैं । सर्वप्रथम प्रत्येक दिन का लग्न जाचाँ जाता है । प्रत्येक दिन १३ बार देखा जाता है ।अतः३ माह के लिए सोफ्टवेयर १३x ९० : ११७० बार कार्य करता है । सर्वश्रेष्ठ दिन के लिये वह प्रत्येक मिनट जांचता है : २४x ६०: १४४०बार । अतः ११७०+१४४० : २६१०बार । अतः ३ माह के मुहूर्त में मुहूर्त चार्ट व नवांश २६१० बार बनाया जाता है । प्रत्येक बार प्रोग्राम शुभत्व के लिए तकरीबन १०० शर्ते देखता है । अतः कुल गणना २६१० x १००: २६१००० बार होती है । समस्त समय सीमा का शुभत्व कम्प्यूटर पर सुरक्षित कर आपके लिये श्रेष्ठ मुहूर्त दर्शाता है । आप जब अन्य तिथि की सर्वश्रेष्ठ समय सीमा जानना चाहते हैं तब १४४०x १०० : १४४१०० बार गणना फिर से की जाती है । इसलिये यद्यपि प्रोग्राम समय लेता है तो वह उसे व्यर्थ नहीं गँवाता है । अपितु आपके लिये हजारों गणना कर श्रेष्ठ मुहूर्त दर्शाता है ।

इस प्रक्रिया को तेज कैसे की जावे

आपको मुहूर्त की समय सीमा जितनी संक्षिप्त हो सके रखनी चाहिए । उदाहरणतः यदि कोई फार्म दाखिल करना है तो समय सीमा को औफिस खुलने के दायरे तक सीमित रखना उचित होगा ।

विभिन्न :

पिछले/आगामी माह के सलेटी रंग की तिथियों पर क्लिक करने से माह स्वतः बदल जाता है । उदाहरणतः आप ४ जुलाई १९९९ से १ जून १९९९पर जाना चाहते हैं और यदि १ सलेटी कक्षमें हैं तो १ पर क्लिक करने से आप १ जून १९९९ का चयन कर लेंगे । आगामी माह के लिये भी यह कर सकते हैं ।

पारिभाषिक

तिथि : चन्द्रमा के गोचर से तिथि की गणना की जाती है। यह सूर्य व चन्द्र की दूरी पर निर्भर करता है। जब दोनों की दूरी ० अंश से १२ अंश के बीच की हो तब तिथि को प्रथम और१२ अं श से २४ अंश के बीच को द्वितीय कहते हैं।

इसमे दो भाग हैं : शुक्ल पक्ष (उज्जवल) व कृष्ण पक्ष (श्याम) जब चन्द्रमा बढाव पर होता है तोशुक्ल पक्ष होता है व चन्द्रमा उतार पर होता है तो कृष्ण पक्ष होता है। अतः जब सूर्य व चंद्र की दूरी ६ अंश हो व चंद्र बढाव पर हो तो वह शुक्ल प्रतिपदा यानि शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि कहलाएगी।

दिन : हिंदू कैलेण्डर दिवस : जैसे रविवार सोमवार इत्यादि। हिंदू दिवस सूर्योदय से प्रारंभ होक रसूर्यास्त पर समाप्त होता है । उदाहरणतः सोमवार को २:०० बजे हिंदू कैलेण्डर अनुसार रविवार माना जाता है व सोमवार ८:०० बजे सोमवार ही माना जाएगा। यानि सूर्योदय के पहले पिछला दिन माना जाता है।

नक्षत्र : ज्योतिष विज्ञान में आकाश २७ मंडलों में विभाजित है। प्रत्येक मंडल को नक्षत्र कहते हैं। पंचांग में प्रदर्शित नक्षत्र वह नक्षत्र है जिसमें चन्द्रमा उस समय स्थित था।

करण : प्रत्येक तिथि के दो भाग हैं जो करण कहलाते हैं। कुल मिलाकर ११ करण होते हैं। ये ही बारम्बार प्रयुक्त होकर ३० तिथियों में कार्य करते हैं।

योग : कुल २७ सूर्य-चन्द्र योग होते हैं। ये सूर्य-चन्द्र के आपसी संबंध के स्वभाव की ओर संकेत करते हैं। अंशों को जोडकर इनकी गणना की जाती है।

मिश्रित योग : किसी विशेष तिथि दिवस नक्षत्र के सम्मिश्रण से विशेष योग बनते हैं। यद्यपि तिथि व दिवस अशुभ हों पर योग शुभ हो तो वह तिथि व दिवस के अशुभतत्व को नष्ट कर देता है व शुभ माना जाता है। इसलिये हम कहते हैं कि तिथि जैसी इकाई से योग ज्यादा शक्तिशाली होता है। वे एकल इकाई के शुभत्व / अशुभत्व से ऊपर होने है। मुहूर्त चार्ट के असंख्य अशुभ तत्व एक सर्वार्थ सिद्धी योग से नष्ट हो जाते हैं।

अष्टकवर्ग : जातक के जन्म चार्ट के अनुसार जो बिंदू प्रदान किये जाते हैं वे सर्वाष्टक वर्ग कहलाते हैं। मुहूर्त चार्ट में ग्रह जिस राशि में हो व उस राशि का जो भाव हो उसके बिंदू माने जाते हैं। यानि यदि मुहूर्त चार्ट में २ या २ से अधिक ग्रह एक ही राशि में हो तो दोनों को समान अष्टक वर्ग बिंदू दिये जायेंगे। उदाहरणतः मुहूर्त चार्ट में बुध मेष में है। मेष जिस भाव में है उसके ३२ बिंदू हैं तो बुध को ३२ सर्वाष्टक वर्ग बिंदू दिये जाएंगे। २५ से नीचे कमजोर व २८ के ऊपर शक्तिशाली माना जाता है।

दोष : मुहूर्त चार्ट में कुछ तत्व व ग्रह की स्थितियों को ठीक नहीं माना जाता। ये दोष कहलाते हैं।

कुल २१ दोष होते हैं। उदाहरणतः सूर्य संक्रांति नई राशि में सूर्य का प्रवेश। छठे आठवें या बारहवें भाव में चन्द्र ग्रहण इत्यादि।

माह : यह माह हिंदू कैलेण्डर अनुसार है। एक माह में ३० तिथियाँ होती हैं। १२ माह हाते हैं। जिस माह के आगे 'अधिक' शब्द जोडा जाता है उसका अर्थ होता है कि उस भाग में कोई सूर्य संक्रांति नहीं हैं । हिंदू माह, अंग्रेजी कैलेण्डर के माह से कुछ छोटा होता है। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक अधिक मास होता है।

सूर्य संक्रांति : जब सूर्य अपनी राशि बदलता है तो सूर्य संक्रांति कहलाती है। यानि एक राशि से निकलकर वह दूसरी राशि में प्रवेश करता है।